UPHIN/2011/39718 (डिजिटल संस्करण) बुन्देलखण्ड का सबसे दबंग अखबार

दैनिक यंग भारत

निष्पक्ष नज़र निर्भीक खबर

Digital Edition

यंग भारत वेब न्यूज़

सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण
दैनिक वास्तविक समाज वाद-लखनऊ
प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ -लखनऊ

वर्ष-14 अंक-251 कीर्ति शेष रामेश्वर दयाल श्रीवास्तव (लम्बरदार) की स्मृति में उरई (जालौन) सोमवार 24 अगस्त 2026 youngbharatE-paper.com

यूपी के साढ़े तीन लाख से ज्यादा रसोइयों को ष्टस्र्योगी ने दिए चार उपहार; मानदेय बढ़ा, कैशलेस इलाज के साथ दुर्घटना बीमा

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊः रक्षाबंधन से ठीक पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश भर के साढ़े तीन लाख से ज्यादा रसोइयों को एक साथ चार उपहार दिए हैं. इनमें तमाम महिलाएं शामिल हैं. मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे पहले एक साथ चार उपहार आपको कभी नहीं मिले होंगे, लेकिन हमारी सरकार ने यह करने का फैसला लिया. अब आप अच्छे से रक्षाबंधन मनाएं. स्कूल के बच्चों को भविष्य संवारने में आपका अहम योगदान है, इसलिए सरकार ने आपको स्वास्थ्य सुविधाओं से लेकर दुर्घटना बीमा और मानदेय के साथ ही साड़ी खरीदने के लिए धनराशि में बढ़ोतरी की है. लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कई मासूम बच्चों को गोद में लेकर दुलारा. उन्हें चॉकलेट और खिलौने दिए. बाल वाटिका में मिल रही बच्चों की शिक्षा को लेकर भी बच्चों

से बात की.

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि रक्षाबंधन के ठीक पहले हम प्रदेश भर के 353000 से भी ज्यादा रसोइयों के लिए चार नए कार्यक्रम लेकर यहां आए हैं. पहला मानदेय वृद्धि, दूसरा अगर किसी रसोईये के साथ कोई घटना-दुर्घटना हो जाती है तो उसके परिवार को 200000 की सहायता स्टेट बैंक के माध्यम से उपलब्ध, तीसरा प्रत्येक रसोईये और उसके परिवार को प्रतिवर्ष 5 लाख रुपए तक फ्री कैशलेस सुविधा और चौथा अब तक साड़ी के लिए 500 प्राप्त होता था, उस राशि को दोगुना किया जा रहा है. अब 1000 मिलेंगे. मुख्यमंत्री ने कहा कि एक साथ रक्षाबंधन के पहले इतना बड़ा उपहार कभी नहीं मिला. कहा कि आज से नौ साल पहले रसोइयों को मात्र 1000 मिलता था. वह भी कभी मिलता था, कभी नहीं मिलता था. आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश भर में 55 करोड़ लोगों के लिए जनधन अकाउंट खोल दिया है. जनधन अकाउंट का मतलब यह सपाई और कांग्रेसी, जो डकैती गरीब के हक पर डालते थे, उसको रोकना और गरीब का पैसा सीधे उसके खाते में जाए, जिसे वह स्वयं निकाल सके. इसके लिए अब डीबीटी के माध्यम से सारी की सारी धनराशि उनके अकाउंट में जाएगी. 1000 मात्र मिलते थे, हमने उसको बढ़ाकर पहले 2000 किया. आज उसको बढ़कर 3000 किया जा रहा है. पहले रसोइयों को मात्र 1,000 मानदेय मिलता था। हमने इसे बढ़ाकर 2,000 किया और आज उसे बढ़ाकर 3,000 किया जा रहा है। इसके लिए मैं प्रदेश के सभी मिड-डे मील रसोइयों को बधाई देता हूं।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आप देश के बचपन को स्वस्थ बना रहे हैं लेकिन आपके स्वास्थ्य की चिंता कोई नहीं करता था. पहले क्या होता था कोयले में या लकड़ी में भोजन बनाना पड़ता था. अब एलपीजी आ गया है. यानी धुएं से मुक्ति. यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अभियान था. अगर रसोईया या उसके परिवार का कोई व्यक्ति अस्वस्थ हो जाता है तो सरकारी अस्पताल के अलावा इम्पैनल्ड किसी भी प्राइवेट हॉस्पिटल में जाकर इलाज करवा सके. 500000 प्रति वर्ष उसका स्वास्थ्य बीमा हम उपलब्ध कराएंगे. यानी 500000 का प्रतिवर्ष आप लोग अपना उपचार किसी भी इंपैनल हॉस्पिटल में करवा सकते हैं. कोई आपको मना नहीं कर सकता है. अब तक साल भर में एक बार 500 साड़ी के लिए मिलता था. अब हम उसे 1000 कर रहे हैं. एक साथ चार-चार सुविधा का लाभ आपको हमारी सरकार दे रही है.मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी के मुख्य अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी के एजेंडे में गरीब कोई मुद्दा ही नहीं थी.

चवन्नी' बयान पर रार! क्या सपा को होगा भारी नुकसान जानिए बयान के पीछे का पूरा गुणा-गणित

(यंग भारत न्यूज)

मेरठः आज की वर्तमान पीढ़ी ने भले ही 'चवन्नी' ना देखी हो, लेकिन यूपी की सियासत में दिनों 'चवन्नी' ने हलचल पैदा कर दी है. खास तौर से पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 'चवन्नी' सियासत का सिरमौर बनी हुई है. अखिलेश यादव के 'चवन्नी' बयान से सियासत में भूचाल आ गया है, मायावती भी अखिलेश के 'चवन्नी' बयान पर जहां एक तरफ उन्हें नसीहत देती दिख रही हैं वहीं दूसरी तरफ 'जाटलैंड' में राजनीतिक पंडित इस बयान को अखिलेश यादव के राजनितिक सफर के लिहाज से अपना जो नजरिया पेश कर रहे हैं. उससे सपा को नुकसान होता दिखाई दे रहा है. रालोद समेत किसान वर्ग भी अखिलेश यादव के इस बयान से गुस्से में लाल पीले हैं.

विवाद में मायावती की एंट्रीः इस विवाद में अब बसपा प्रमुख मायावती भी कूद पड़ी हैं. उन्होंने अखिलेश यादव के बयान को अमर्यादित, अशोभनीय और शर्मनाक करार दिया और कहा कि इस तरह की अहंकारी और अलोकतांत्रिक भाषा सपा की पुरानी आदत रही है. साथ ही गठबंधनों के टूटने का पुराना इतिहास गिनाया. बसपा सुप्रीमो मायावती ने ङ्क पर

पोस्ट करते हुए चौधरी चरण सिंह और जाट समाज का अपमान करने के लिए अखिलेश यादव को तुरंत माफी मांगने की नसीहत दी है. रणनीति या चुनावी जोखिमः राजनीतिक पंडित अखिलेश के इस बयान को तरीके से देखते हैं. एक्सपर्ट का एक तबका इसे अखिलेश की सोझी समझी रणनीति बता रहे हैं. तो वहीं कई एक्सपर्ट इसे नुकसान से जोड़ रहे हैं. वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक रविंद्र राणा कहते हैं कि उन्हें लगता है कि 27 के चुनाव नजदीक हैं और ऐसे में अखिलेश यादव ने ये एक चवन्नी वाला जो बयान दिया है, बेहद ही सोच समझकर रणनीति के तहत दिया है. यही वजह है कि इस बयान को भुलाने की बजाए लगातार फॉलोअप भी पार्टी की तरफ से हो रहा है.अखिलेश को जाटलैंड में होगा नुकसान!: वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक शादाब रिजवी कहते हैं कि अखिलेश यादव ने रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी के लिए जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल करते हुए अपनी बात कही है. उसके बाद वह समाज उसे खुद से जोड़कर देख रहा है. अगर अखिलेश यादव का यह बयान विधानसभा चुनाव तक छाया रहा तो इससे समाजवादी पार्टी को निश्चित तौर पर नुकसान उठाना ही पड़ेगा क्योंकि अखिलेश यादव को यह भी समझना चाहिए कि उन्हें पश्चिम में आज एक मजबूत साथी की आवश्यकता है और जब एक मजबूत साथी उनके साथ नहीं है तो ऐसे में इस तरह के बयान देने के बाद उसकी भरपाई करना उनके लिए चुनौती पूर्ण हो सकता सपा को अतीत में झांकने की नसीहतः बागपत से के सांसद डॉक्टर राजकुमार सांगवान कहते हैं कि, अखिलेश यादव को अपने अतीत में झांक कर देखना चाहिए कि किस तरह पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी ने उनके परिवार को हैसियत वाला परिवार बनाया. उन्होंने कहा कि, भाषा की मर्यादा का ख्याल सबको रखना चाहिए.

योगी Vs अखिलेशः क्कमें दुष्कर्म के मामलों का एनसीआरबी हिसाब चौंकाने वाला, किसके राज में ज्यादा केस

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ। प्रदेश में महिला सुरक्षा को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच अक्सर सियासी आरोप-प्रत्यारोप देखने को मिलते हैं. ऐसे में राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के आधार पर अखिलेश यादव और योगी आदित्यनाथ सरकार के दौर में दर्ज दुष्कर्म के मामलों की तुलना करें तो तस्वीर कुछ अलग नजर आती है.

तुलना के लिए अखिलेश यादव के कार्यकाल के पूरे कैलेंडर वर्ष 2012 से 2016 और योगी आदित्यनाथ सरकार के 2018 से 2024 तक के पूरे कैलेंडर वर्षों को लिया गया है. वर्ष 2017 में सत्ता परिवर्तन होने के कारण उसे अलग रखा गया है. एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2012 में यूपी में दुष्कर्म के 1,963 मामले दर्ज हुए. 2013 में यह संख्या बढ़कर 3,050, 2014 में 3,467, 2015 में 3,025 और 2016 में 4,816 हो गई. इस तरह 2012 से 2016 के बीच कुल 16,321 दुष्कर्म के मामले दर्ज हुए. पांच वर्षों का औसत निकालें तो हर साल करीब 3,264 मामले सामने आए. योगी आदित्यनाथ सरकार के पूरे कैलेंडर वर्षों की बात करें तो 2018 में उत्तर प्रदेश में दुष्कर्म के 3,964 मामले दर्ज हुए. 2019 में यह संख्या 3,065, 2020 में 2,769, 2021 में 2,845, 2022 में 3,690, 2023

में 3,516 और 2024 में 3,209 रही. इन सात वर्षों में कुल 23,058 दुष्कर्म के मामले दर्ज हुए. सात साल का औसत करीब 3,294 मामले प्रतिवर्ष रहा.

दोनों सरकारों के बीच तुलना में वार्षिक औसत ज्यादा महत्वपूर्ण है, क्योंकि दोनों अवधियों की अवधि समान नहीं है.

अखिलेश यादव सरकार (2012-16) कुल मामलेः 16,321 वार्षिक औसतः 3,264

योगी आदित्यनाथ सरकार (2018-24) कुल मामलेः 23,058 वार्षिक औसतः 3,294

यानी पूरे कैलेंडर वर्षों के औसत की तुलना में योगी सरकार के दौर में प्रति वर्ष करीब 30 दुष्कर्म के मामले अधिक दर्ज हुए. प्रतिशत के लिहाज से यह अंतर लगभग 0.9 प्रतिशत बैठता है. 2017 में उत्तर प्रदेश की सत्ता बदली थी. अखिलेश यादव की सरकार के बाद मार्च 2017 में योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री बने. ऐसे में पूरे 2017 के एनसीआरबी आंकड़ों को किसी एक सरकार के खाते में रखना उचित नहीं होगा. इसलिए दोनों सरकारों के पूरे कैलेंडर वर्षों को अलग-अलग रखकर तुलना की गई है. इस तुलना में अखिलेश सरकार के दौरान 2016 में 4,816 मामले दर्ज हुए, जो दोनों अवधियों में सबसे अधिक है. योगी सरकार के दौर में सबसे ज्यादा मामले 2018 में 3,964 दर्ज हुए. इसके बाद 2019 और 2020 में आंकड़े नीचे आए. 2022 में फिर 3,690 मामले दर्ज हुए, जबकि 2024 में यह संख्या घटकर 3,209 रह गई. क्या इन आंकड़ों से किसी सरकार को जिम्मेदार ठहराया जा सकता हैसिर्फ एफआईआर की संख्या के आधार पर किसी सरकार को महिला अपराध के मामले में बेहतर या खराब घोषित करना सावधानी के बिना सही नहीं होगा. एनसीआरबी के आंकड़े पुलिस में दर्ज मामलों को दर्शाते हैं. दर्ज मामलों की संख्या पर रिपोर्टिंग, एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया, पुलिस व्यवस्था और लोगों की शिकायत दर्ज कराने की प्रवृत्ति जैसे कई कारकों का प्रभाव पड़ सकता है. इस तुलना से इतना जरूर कहा जा सकता है कि 2012-16 और 2018-24 के पूरे कैलेंडर वर्षों के औसत में दर्ज दुष्कर्म के मामलों की संख्या योगी सरकार के दौर में मामूली रूप से अधिक रही. हालांकि अंतर करीब 0.9 प्रतिशत है, इसलिए इसे बहुत बड़ा अंतर बताना आंकड़ों के साथ न्याय नहीं होगा.

क्या करीब आ गया कलयुग का अंत जानें कालज्ञानम में दर्ज दुनिया के महाविनाश की डरावनी भविष्यावाणियां..

(प्रधान सम्पादक)

(यंग भारत न्यूज)

धरती पर ऐसे कई संत और भविष्यवक्ता हुए हैं, जिनके बारे में माना जाता है कि उन्होंने आने वाले हजारों वर्षों से जुड़ी घटनाओं की भविष्यवाणियां की थीं. खास बात यह है कि इन भविष्यवाणियों को नास्त्रेदमस या बाबा वेंगा की भविष्यवाणियों की तरह रहस्यमय और सांकेतिक भाषा में नहीं, बल्कि अपेक्षाकृत स्पष्ट रूप में बताया गया है.

इन्हीं प्रसिद्ध भविष्यवक्ताओं में आंध्र प्रदेश के सिद्ध संत श्री पोतुलूरी वीर ब्रह्मेंद्र स्वामी का नाम भी प्रमुखता से लिया जाता है. माना जाता है कि स्वामी वीर ब्रह्मेंद्र का जन्म वर्ष 1608 में हुआ था. उन्होंने तेलुगु भाषा में कालज्ञानम नामक ग्रंथ की रचना की थी. इस ग्रंथ में भविष्य में होने वाली कई घटनाओं का उल्लेख होने का दावा किया जाता है. समय के साथ कालज्ञानम से जुड़ी भविष्यवाणियां सोशल मीडिया और इंटरनेट पर काफी चर्चा में आने लगी हैं. यही वजह है कि भविष्यवाणियों को लेकर लोगों की दिलचस्पी लगातार बढ़ रही है. कालज्ञानम से जुड़ी कई ऐसी भविष्यवाणियां भी प्रचलित हैं, जिन्हें भविष्य में होने वाली घटनाओं से जोड़कर देखा जाता है. इनमें प्राकृतिक आपदाओं, जलवायु परिवर्तन, धार्मिक घटनाओं, महामारियों और बड़े युद्धों तक का उल्लेख होने का दावा किया जाता है. हालांकि इन दावों की व्याख्या अलग-अलग स्त्रोतों में अलग तरीके से मिलती है और इनकी प्रामाणिकता पर भी मतभेद हैं. लोकप्रिय रूप से बताई जाने वाली प्रमुख भविष्यवाणियां इस प्रकार हैं. कहा जाता है कि भविष्य में आसमान से लाल रंग की वर्षा होगी. साथ ही समुद्र का जलस्तर बढ़ने के कारण कई तटीय शहरों के डूबने की

भविष्यवाणी का भी उल्लेख मिलता है. इसे कुछ लोग जलवायु परिवर्तन, समुद्री स्तर में वृद्धि और प्राकृतिक आपदाओं से जोड़कर देखते हैं. बढ़ता तापमान और दो सूरज जैसा दृश्य एक कथित भविष्यवाणी में धरती के अत्यधिक गर्म होने और पहाड़ों से आग निकलने जैसी घटना का वर्णन बताया जाता है. इसके साथ आकाश में 'दो सूरज' दिखाई देने की बात भी कही जाती है. इसे प्राकृतिक घटनाओं, ज्वालामुखीय गतिविधियों या असामान्य आकाशीय घटनाओं की प्रतीकात्मक व्याख्या माना जाता है.दिन में दिखाई देंगे तारे कालज्ञानम से जुड़ी कुछ व्याख्याओं में कहा जाता है कि एक समय ऐसा आएगा जब दिन के उजाले में भी तारे दिखाई देंगे. इसके बाद कुछ क्षेत्रों की आबादी के पूरी तरह समाप्त होने की बात कही जाती है. इसे किसी बड़ी प्राकृतिक आपदा या वातावरण में होने वाले असाधारण बदलाव से जोड़कर देखा जाता है. तिरुपति बालाजी की वैश्विक प्रसिद्धि कहा जाता है कि आने वाले समय में तिरुपति बालाजी मंदिर की ख्याति पूरी दुनिया में फैल जाएगी और अलग-अलग धर्मों को मानने वाले लोग भी यहां दर्शन के लिए पहुंचेंगे. इसे मंदिर की बढ़ती वैश्विक लोकप्रियता से जोड़कर देखा जाता है.108 वर्षों तक संघर्ष और उथल-पुथल एक लोकप्रिय दावे के अनुसार, कलियुग के पांच हजार वर्ष पूरे होने के बाद अधर्म के अंत से पहले दुनिया को लगभग 108 वर्षों तक संघर्ष, अशांति और बड़े बदलावों का सामना करना पड़ेगा. इसे मानव सभ्यता के एक बड़े संक्रमणकाल के रूप में समझा जाता है.शनि के मीन और मेष राशि में गोचर के समय भीषण युद्ध एक अन्य भविष्यवाणी में कहा जाता है कि जब शनि मीन और मेष राशि से संबंधित विशेष स्थिति में होगा, तब दुनिया में एक भयंकर और निर्णायक युद्ध हो सकता है. इस दावे को ज्योतिषीय घटनाओं और वैश्विक राजनीतिक परिस्थितियों से जोड़कर देखा जाता है, लेकिन इसे किसी निश्चित भविष्य की घटना मानना उचित नहीं है.विश्ववसु संवत्सर में कल्कि अवतार सबसे चर्चित दावों में से एक यह है कि 'विश्ववसु' नामक संवत्सर में भगवान कल्कि का अवतार होगा. मान्यता के अनुसार भगवान कल्कि अधर्म और अत्याचार का अंत करके धर्म की पुनर्स्थापना करेंगे. हालांकि संवत्सर की गणना और इस भविष्यवाणी के समय को लेकर अलग-अलग मत और व्याख्याएं मिलती हैं.

बस्ती में खौफनाक वारदात: प्रेमी संग आपत्तिजनक हालत में देख पिता ने टोका तो बेटी बन गई कातिल, नहर किनारे हंसिए से काट डाला

(यंग भारत न्यूज)

प्रदेश के बस्ती जिले से रिश्तों को तार-तार कर देने वाला एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। दुबौलिया थाना क्षेत्र में एक कलयुगी बेटी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपने ही 50 वर्षीय पिता की बेरहमी से हत्या कर दी।

पिता का सिर्फ इतना कसूर था कि उन्होंने अपनी बेटी को प्रेमी के साथ आपत्तिजनक हालत में देख लिया था और इसका विरोध किया था। पुलिस ने मामले की त्वरित जांच करते हुए आरोपी बेटी और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है। यह पूरी घटना दुबौलिया थाना क्षेत्र के बभरौली गांव के पास की है। 21 अगस्त की रात करीब 10 बजे बभरौली से उत्तर दिशा में करीब 500 मीटर दूर नहर की पटरी पर एक अधेड़ का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया था। मृतक की शिनाख्त छावनी थाना क्षेत्र के रमवापुर तिवारी गांव निवासी कृष्णा प्रसाद के रूप में हुई। कृष्णा प्रसाद के गले और कान के पिछले हिस्से पर किसी धारदार हथियार से कई गहरे वार किए गए थे, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई थी। सूचना मिलते ही दुबौलिया पुलिस दल-बल के साथ मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।घटना के

संबंध में मृतक के भाई कांशीराम ने पुलिस को दी गई तहरीर में चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। तहरीर के अनुसार, कृष्णा प्रसाद की बेटी दुर्गा का पड़ोसी गांव बभरौली के निवासी लक्ष्मण के साथ काफी समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। पिता कृष्णा प्रसाद इस रिश्ते के पूरी तरह खिलाफ थे और बेटी को लगातार समझाते हुए उसकी शादी कहीं और तय करने की बात कर रहे थे। इसी बात को लेकर घर में अक्सर तनाव का माहौल बना रहता था। घटना के दिन शुक्रवार की दोपहर दुर्गा घर से बकरियां चराने के लिए निकली थी। इसी दौरान नहर के पास कृष्णा प्रसाद ने अपनी बेटी दुर्गा को उसके प्रेमी लक्ष्मण के साथ आपत्तिजनक स्थिति में देख लिया। यह देखकर पिता का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने बकरी चराने के लिए साथ लाई गई बांस की लग्गी से दोनों को डांटते हुए मारना शुरू कर दिया। पिता को हमलावर होते देख दुर्गा और उसके प्रेमी लक्ष्मण ने मिलकर कृष्णा प्रसाद के हाथ से बांस की लग्गी छीन ली। उस लग्गी के आगे पेड़ की डालियां काटने वाली तेज धारदार हंसिया बंधी हुई थी। दोनों ने उसी हंसिए से कृष्णा प्रसाद के गले और सिर पर ताबड़तोड़ कई वार कर दिए। जब कृष्णा प्रसाद लहूलुहान होकर बेहोश हो गए, तो दोनों आरोपी उन्हें वहीं तड़पता छोड़कर अपने-अपने घर चले गए। देर रात तक जब कृष्णा प्रसाद घर नहीं लौटे, तो परिजनों ने उनकी खोजबीन शुरू की, जिसके बाद नहर किनारे उनका रक्तरंजित शव बरामद हुआ। मामले की जानकारी देते हुए क्षेत्राधिकारी कलवारी बृजेश सिंह ने बताया कि पिता द्वारा आपत्तिजनक हालत में देख लिए जाने और विरोध करने से नाराज होकर प्रेमी-प्रेमिका ने मिलकर इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने मृतक के भाई की तहरीर पर बीएनएस (भारतीय न्याय संहिता) की धारा 103 (1) के तहत हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए हत्यारोपी बेटी दुर्गा और उसके प्रेमी लक्ष्मण को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

बिना कपड़ों के छात्राओं के साथ नहाता दिखा प्रिंसिपल, गोद में उठाया... वायरल हुआ वीडियो

(यंग भारत न्यूज)

राजस्थान के अलवर जिले के थानागाजी क्षेत्र में एक सरकारी स्कूल के प्रिंसिपल का छात्राओं के साथ बांध में नहाने का कथित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला गरमा गया है।

वीडियो सामने आने के बाद ग्रामीणों ने नाराजगी जताई और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने वायरल वीडियो के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि घटना 15 अगस्त की है। स्वतंत्रता दिवस समारोह के बाद प्रिंसिपल स्कूल के छात्र-छात्राओं को जंगल के रास्ते करीब दो किलोमीटर दूर स्थित भड़ाज बांध पर ले गए थे। ग्रामीणों के मुताबिक, वहां करीब 20 से 25 छात्राएं भी मौजूद थीं। आरोप है कि बच्चों को भ्रमण और तैराकी सिखाने के लिए बांध पर ले जाया गया था। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि बांध पर बच्चों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए थे। कई बच्चों को तैरना नहीं आता था और उन्हें लाइफ जैकेट भी उपलब्ध नहीं कराई गई। इसी दौरान कुछ युवाओं ने प्रिंसिपल का छात्राओं के साथ पानी में होने का वीडियो बना लिया, जो बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। ग्रामीणों का कहना है कि बांध की पाल करीब 5 से 6 फीट चौड़ी है और यहां पहले भी डूबने की घटनाएं हो चुकी हैं। उनके अनुसार, प्रशासन की ओर से करीब चार साल से इस स्थान पर लोगों के जाने पर पाबंदी है। ऐसे में स्कूली बच्चों को वहां ले जाने के फैसले पर भी सवाल उठ रहे हैं। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले की जानकारी जुटानी शुरू कर दी। थानागाजी थाना प्रभारी राजकुमार मीणा ने बताया कि अभी तक किसी छात्र, छात्रा या अभिभावक की ओर से लिखित शिकायत नहीं मिली है। पुलिस वायरल वीडियो के आधार पर तथ्यों की जांच कर रही है और प्रिंसिपल के बयान भी दर्ज किए गए हैं। पुलिस के मुताबिक, वायरल वीडियो की वास्तविकता और उसमें दिखाई दे रहे घटनाक्रम की पूरी जानकारी जुटाई जा रही है। जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों और शिकायत के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

यूपी में साथ लड़ेंगे सपा-आप अखिलेश से मिले संजय सिंह, सियासी अटकलें तेज

(यंग भारत न्यूज)

विधानसभा चुनाव 2027 से पहले सियासी गतिविधियां तेज हो गई हैं। आम आदमी पार्टी के यूपी प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने रविवार को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात की।

संजय सिंह लखनऊ स्थित सपा मुख्यालय पहुंचे, जहां दोपहर दोनों नेताओं के बीच बैठक हुई। इस मुलाकात के बाद सपा और आप के बीच संभावित चुनावी गठबंधन और सीट बंटवारे को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। हालांकि, दोनों दलों की ओर से गठबंधन को लेकर अभी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। इसके बावजूद चुनाव से पहले हुई इस मुलाकात को राजनीतिक तौर पर अहम माना जा रहा है। माना जा रहा है कि बैठक में संविधान, आरक्षण, सामाजिक न्याय और 69 हजार शिक्षक भर्ती समेत कई मुद्दों पर चर्चा हुई। मुलाकात के बाद संजय सिंह ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि उन्होंने अखिलेश यादव के

साथ संविधान, आरक्षण, सामाजिक न्याय और 69 हजार शिक्षक भर्ती सहित विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि संविधान और आरक्षण के लिए भाजपा सबसे बड़ा खतरा है। संजय सिंह ने आरोप लगाया कि भाजपा ने आरक्षण खत्म करने को लेकर फिर से मुहिम तेज कर दी है और इसका लोकतांत्रिक तरीके से विरोध किया जाना चाहिए।69 हजार शिक्षक भर्ती मामले का जिक्र करते हुए संजय सिंह ने कहा कि पिछड़े वर्ग के अभ्यर्थियों के साथ अन्याय हुआ है और उनके संवैधानिक अधिकारों का हनन किया गया। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी इन अभ्यर्थियों को उनका हक दिलाने के लिए मजबूती से उनके साथ खड़ी है। सामाजिक न्याय और आरक्षण की लड़ाई को सड़क से संसद और जरूरत पड़ने पर सुप्रीम कोर्ट तक ले जाने की बात भी उन्होंने कही। आप सांसद ने कहा कि संविधान, आरक्षण और पिछड़े वर्गों के अधिकारों की रक्षा के लिए विपक्षी और सामाजिक न्याय की ताकतों को एकजुट होकर संघर्ष करना होगा। उन्होंने भाजपा पर संविधान की मूल भावना और आरक्षण व्यवस्था को प्रभावित करने की कोशिश का आरोप लगाते हुए इसके विरोध का आह्वान किया। यूपी में 2027 का विधानसभा चुनाव भाजपा बनाम विपक्षी दलों के बीच मुकाबले की दिशा में बढ़ता दिखाई दे रहा है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव भाजपा को सत्ता से दूर रखने के लिए विपक्षी दलों के साथ रणनीतिक तालमेल की कोशिश में हैं। कांग्रेस के साथ सपा के समीकरणों के बीच अब आम आदमी पार्टी की सक्रियता भी बढ़ी है। संजय सिंह की अखिलेश यादव से मुलाकात ने संभावित सपा-आप गठबंधन की अटकलों को और हवा दे दी है। अगर दोनों दल साथ आते हैं तो सीट बंटवारा और चुनावी रणनीति अहम मुद्दे होंगे। फिलहाल बैठक के बाद कोई औपचारिक गठबंधन सामने नहीं आया है, लेकिन दोनों नेताओं की मुलाकात ने यूपी की सियासत में नए राजनीतिक समीकरणों की चर्चा जरूर तेज कर दी है।

शर्मनाक: कलयुगी पिता ने डेढ़ साल तक नाबालिग बेटी के साथ बनाए जबरन शारीरिक संबंध, गिरफ्तार

बिहार के मुजफ्फरपुर जिले से पिता-बेटी के रिश्ते को शर्मसार कर देने वाली एक खबर सामने आई है, जहां एक कलयुगी पिता पर अपनी नाबालिग बेटी के साथ लंबे समय से जबरन शारीरिक संबंध बनाने का मामला सामने आया है।

पीड़िता बेटी ने खुद अपने पिता के खिलाफ पुलिस को इसकी शिकायत दी, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया। पीड़िता के मुताबिक इस शर्मनाक घटना का विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की जाती थी। आरोपी उसे इस बात की जानकारी किसी और को देने पर जान से मारने की धमकी भी देता था। पीड़िता ने बताया कि बीते 17 अगस्त को उसने अपने बड़े पिता और बड़ी मां को इस पूरी घटना की जानकारी दी, जिसे सुनने के बाद उनके भी होश उड़ गए। उन्होंने जब इस बारे में आरोपी से पूछा तो उसने उन लोगों पर हमला करने के इरादे से धारदार हथियार (हंसिया और तलवार) लेकर उन्हें खदेड़ दिया। इस बीच बीते शुक्रवार को उसने फिर से पीड़िता के साथ दुष्कर्म करने प्रयास किया। इस दौरान मामले की सूचना डायल -112 पुलिस टीम को दी गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया और उसे शनिवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पीड़िता के मुताबिक साल 2019 में उसकी मां का निधन हो गया था। उसके दो छोटे भाई भी हैं। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि आरोपी पिता लगभग डेढ़ साल से उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बना रहा था। विरोध करने पर वह उसके साथ मारपीट भी करता था। घटना को लेकर पीएसआई अनुराधा सहाय ने बताया कि आरोपित को शनिवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पीड़िता को महिला हेल्पलाइन के सुपुर्द किया गया है। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

पति-बच्चे को छोड़ प्रेमी के साथ भागी थी भानमती, फिर उसे भी धोखा दे खेत में तीसरे आशिक के साथ. कानपुर की महिला की मौत से मचा हड़कंप

(यंग भारत न्यूज)

प्रदेश के कानपुर के घाटमपुर से रिश्तों के उलझने और उसके बाद उठाए गए खौफनाक कदम का मामला सामने आया है. पति और बच्चे को छोड़कर प्रेमी के साथ रह रही 30 साल की महिला के कथित तौर पर गांव के एक 18 साल के युवक से संबंध बन गए.

शनिवार को महिला के पहले प्रेमी ने उसे दूसरे युवक के साथ खेत में आपत्तिजनक स्थिति में देखा. इसके कुछ ही समय बाद महिला और युवक ने जहरीला पदार्थ खा लिया. महिला की मौत हो गई, जबकि युवक का अस्पताल में इलाज चल रहा है. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और अभी किसी पक्ष की ओर से सबूत मिलने का इंतजार है. मामला घाटमपुर थाना क्षेत्र के एक गांव का है. फतेहपुर की रहने वाली भानमती जो की 30 साल की थी, साल 2019 में पहले गांव में शादी होकर आई थी. उसके एक 6 साल का बेटा है. करीब चार साल पहले गांव के ऑटो चालक सोनू से उसके प्रेम संबंध हो गए. इसको लेकर उसका पति से विवाद होने लगा. बात इतनी बढ़ी कि भानमती पति और बेटे को छोड़कर गांव के बाहर बने मकान में सोनू के साथ रहने लगी. सोनू और भानमती के एक तीन साल की बेटी भी है. सोनू के पिता शिव बालक के मुताबिक, कुछ समय पहले भानमती के संबंध गांव के ही 18 साल के साहिल से हो गए थे. सोनू को इस बारे में जानकारी हो गई थी. इसके बाद दोनों के बीच विवाद रहने लगा था. सोनू का दावा है कि साहिल और भानमती के बीच करीब दो साल से प्रेम संबंध थे. उसने भानमती को इस रिश्ते से दूर रहने के लिए समझाया था, लेकिन दोनों अलग होने को तैयार नहीं थे. शनिवार सुबह भानमती घर पर नहीं मिली तो सोनू उसे तलाशते हुए खेतों की तरफ गया. वहां उसने भानमती और साहिल को कथित तौर पर आपत्तिजनक स्थिति में देख लिया. इसके बाद वह नाराज होकर घर लौट आया और परिजनों को इसकी जानकारी दी. शिव बालक के मुताबिक, जब वह बताए गए स्थान पर पहुंचे तो भानमती और साहिल दोनों बेहोश पड़े थे. दोनों के मुंह से झाग निकल रहा था. आशंका है कि दोनों ने जहरीला पदार्थ खाया था. घटना की जानकारी पुलिस को दी गई और शिव बालक अपनी बहू भानमती को इलाज के लिए हैलट अस्पताल ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही भानमती ने दम तोड़ दिया. दूसरी ओर साहिल के परिजन उसे इलाज के लिए कानपुर के एक निजी नर्सिंगहोम ले गए, जहां उसका उपचार चल रहा है. महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है. स्ककृष्णकांत ने बताया कि साहिल का कानपुर के एक नर्सिंगहोम में इलाज चल रहा है. महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया. अभी किसी भी पक्ष की ओर से सबूत नहीं मिली है. सबूत मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी. मामले की जांच की जा रही है.

मुंबई में गणेश आगमन जुलूस में गिरी भारी प्रतिमा, 2 की दर्दनाक मौत, 5 अस्पताल में भर्ती

मुंबई के भुलेश्वर इलाके में गणेशोत्सव की तैयारियों के बीच शनिवार रात बड़ा हादसा हो गया। गणेश आगमन समारोह के दौरान 'भुलेश्वर चा राजा' की विशाल प्रतिमा अचानक गिर गई।प्रतिमा की चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हुए हैं। घायलों में 5 और 7 साल की दो बच्चियां भी शामिल हैं।

हादसा रात करीब 10 बजे बलराम मर्चेंट रोड पर कबूतरखाना के पास जय अंबे चौक में हुआ। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड, पुलिस, ट्रैफिक पुलिस, एंबुलेंस और नगर निगम की टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत-बचाव शुरू किया। शनिवार रात भुलेश्वर के जय अंबे चौक में 'भुलेश्वर चा राजा' की गणेश प्रतिमा को आगमन समारोह के तहत पंडाल की ओर ले जाया जा रहा था। इसी दौरान अचानक प्रतिमा गिर गई। प्रतिमा के नीचे और आसपास मौजूद कुछ लोग इसकी चपेट में आ गए। हादसा होते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने तुरंत पुलिस और बचाव दल को सूचना दी। इसके बाद फायर ब्रिगेड और एंबुलेंस की मदद से घायलों को बाहर निकाला गया और नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे में संकेत नेवशे (33) और बृजेश हेमंत जोशी (30) गंभीर रूप से घायल हुए थे। दोनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे में वैभव घेनंद (38), पवन चौरसिया (25), लावण्या गनेर (5), दिव्या गनेर (7) और कुणाल काशिद (26) घायल हुए हैं। अधिकारियों के मुताबिक, सभी घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है और उनकी हालत फिलहाल स्थिर बताई गई है। प्रतिमा गिरने की सूचना मिलते ही मुंबई फायर ब्रिगेड, पुलिस, ट्रैफिक पुलिस, एंबुलेंस और नगर निगम की टीमें घटनास्थल पर पहुंचीं। राहत-बचाव अभियान चलाकर घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। घटना के बाद इलाके में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल रहा। पुलिस और प्रशासन की टीमें हादसे से जुड़े हालात की जांच कर रही हैं। फिलहाल अधिकारियों की ओर से प्रतिमा गिरने की वजह को लेकर कोई अंतिम कारण नहीं बताया गया है। मुंबई में गणेशोत्सव के दौरान सार्वजनिक गणेश मंडल बड़े स्तर पर प्रतिमाओं की स्थापना करते हैं। प्रतिमा को पंडाल तक लाने के लिए गणेश आगमन जुलूस निकाले जाते हैं, जिनमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं। ढोल-ताशों के बीच प्रतिमा को जुलूस के साथ ले जाया जाता है। भुलेश्वर में भी शनिवार रात ऐसा ही आगमन समारोह चल रहा था। इसी दौरान प्रतिमा गिरने से वहां मौजूद लोगों में चीख-पुकार मच गई।

आजादी पाने की ऐसी भी कोशिश...बालिका गृह बंद कराने की कोशिश में दो नाबालिग लड़कियों ने रचा खौफनाक मर्डर प्लान

(यंग भारत न्यूज)

उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में स्थित राजकीय बालिका गृह में एक लड़की की हत्या के मामले में नाबालिग लड़कियों ने अपना अपराध स्वीकार करते हुए कहा है कि उन्हें निगरानी में रहना अच्छा नहीं लग रहा था, इसलिए वे कुछ ऐसा करना चाहती थीं जिससे बालिका गृह बंद करके सभी लड़कियों को उनके घर वापस भेज दिया जाए।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि वृंदावन के चैतन्य विहार स्थित महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित राजकीय बालिका गृह के बाथरूम से शुक्रवार को 14 वर्षीय लड़की का शव बरामद किया गया था। उन्होंने बताया कि शुरू में लगा कि उसकी मौत प्राकृतिक कारणों से हुई है लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट में डूबने से मौत होने की पुष्टि हुई। जिलाधिकारी चंद्रप्रकाश सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने घटनास्थल का मुआयना किया और राजकीय बालिका गृह के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच कराई तो बाथरूम के बाहर लगे कैमरे की फुटेज से पता चला कि शुक्रवार को 11 बजे पांच नंबर कमरे में रहने वाली तीन किशोरियां एक साथ नहाने गई थीं और करीब 40 मिनट बाद उनमें से दो तो नहाकर बाहर आ गईं, लेकिन तीसरी वहीं रह गई। बालिका गृह की अधीक्षक प्रगति खरे ने बताया कि खुलासा होने के बाद जब दोनों संदिग्ध लड़कियों से पूछताछ की गई तो पहले तो वे पुलिस को गुमराह करती रहीं, लेकिन सीसीटीवी फुटेज दिखाने पर उन्होंने हत्या का अपराध स्वीकार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी लड़कियों का कहना है कि उन्हें बालिका गृह में रहना अच्छा नहीं लग रहा था, इसलिए वे कुछ ऐसा करना चाहती थीं कि जिससे बालिका गृह बंद करके सभी लड़कियों को उनके घर वापस भेज दिया जाए। पुलिस सूत्रों के मुताबिक लड़कियों ने बताया कि उन्होंने 14 वर्षीय लड़की का सिर पानी की बाल्टी में डालकर तब तक डुबोए रखा, जब तक

उसकी मौत नहीं हो गई। उन्होंने बताया कि इस पर बालिका गृह की अधीक्षक प्रगति खरे की तहरीर पर सदर थाने में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस उपाधीक्षक सदर वरुण मिश्रा ने बताया है कि आरोपियों के बयान परिस्थितिजन्य साक्ष्यों से मेल खाने के बाद तीन नाबालिग लड़कियों समेत कुल पांच लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करके जांच शुरू की गई है। दूसरी ओर, जिलाधिकारी ने जिला न्यायाधीश को पत्र भेजकर पूरे मामले की न्यायिक जांच का अनुरोध किया है। सूत्रों के मुताबिक आरोपी लड़कियों की उम्र 14 और 15 साल है। पुलिस ने बताया कि वे अपने पुरुष मित्रों के साथ घर छोड़कर चली गई थीं, जिसके बाद उन्हें बरामद करके यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत दर्ज मामले के सिलसिले में मथुरा भेजा गया था। दोनों अलीगढ़ और पीलीभीत की रहने वाली थीं। पुलिस के अनुसार मृतक बरेली की रहने वाली थी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि उसके जन्म के कुछ ही दिन बाद उसके पिता का देहांत हो गया था और मां के मानसिक रूप से अस्वस्थ होने के बाद उसे मथुरा के बालिका गृह भेज दिया गया था। सूत्रों ने बताया कि बाद में उसकी मां का भी देहांत हो गया था। पुलिस ने शनिवार शाम को लड़की का अंतिम संस्कार कर दिया गया।

कालपी में कांग्रेस के सामाजिक न्याय भागीदारी सम्मेलन में पिछड़ों की भागीदारी बढ़ाने पर जोर

बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने का कार्यकर्ताओं ने लिया संकल्प, सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने की सहभागिता

(यंग भारत न्यूज)

कालपी,जालौन। कांग्रेस पार्टी की ओर से विधानसभा क्षेत्र 220 कालपी में सामाजिक न्याय भागीदारी सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में पिछड़े, वंचित और कमजोर वर्गों की राजनीतिक एवं सामाजिक भागीदारी बढ़ाने के साथ संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता और समर्थक शामिल हुए। सम्मेलन के मुख्य अतिथि ओबीसी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल जयहिंद रहे, जबकि अध्यक्षता ओबीसी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मनोज यादव ने की। सम्मेलन के आयोजक ओबीसी कांग्रेस के राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर एवं विधानसभा क्षेत्र 220 कालपी के राहुल राय प्रजापति रहे। मुख्य अतिथि अनिल जयहिंद ने कहा कि सामाजिक न्याय की लड़ाई को मजबूती देने के लिए पिछड़े, वंचित और कमजोर वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित करना जरूरी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से गांव-गांव और बूथ स्तर तक पहुंचकर लोगों को कांग्रेस की नीतियों एवं सामाजिक न्याय के मुद्दों से जोड़ने का आह्वान किया।

प्रदेश अध्यक्ष मनोज यादव ने कहा कि संगठन की मजबूती ही किसी भी राजनीतिक दल की सबसे बड़ी ताकत है। कार्यकर्ताओं को आपसी समन्वय के साथ संगठन को मजबूत करने और समाज के प्रत्येक वर्ग के बीच अपनी पहुंच बढ़ाने का काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि ओबीसी समाज की आवाज को मजबूती से उठाने और उचित राजनीतिक प्रतिनिधित्व दिलाने के लिए लगातार प्रयास किए जाएंगे। आयोजक राहुल राय प्रजापति ने सम्मेलन में पहुंचे सभी अतिथियों, पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और समर्थकों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय और भागीदारी के मुद्दे को जन-जन तक पहुंचाने के लिए ऐसे कार्यक्रम आगे भी आयोजित किए जाएंगे। विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस संगठन को मजबूत करने के लिए सभी कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर काम करना होगा। उन्होंने सम्मेलन में आए जनसमूह का आभार जताया। सम्मेलन में वक्ताओं ने कहा कि लोकतंत्र में सभी वर्गों की समान भागीदारी आवश्यक है। समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक अधिकार और अवसर पहुंचाने के लिए सामाजिक न्याय की लड़ाई को आगे बढ़ाना समय की जरूरत है। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने संगठन को मजबूत करने, जनता के बीच सक्रिय रहने और सामाजिक मुद्दों को प्रमुखता से उठाने का संकल्प लिया। वहीं संतोष कुमार प्रजापति उर्फ दद्दा के नेतृत्व में कई वाहनों से करीब 100 लोग सम्मेलन में पहुंचे और कार्यक्रम को सफल बनाने में सहभागिता की। इस मौके पर अलीम सर, विश्वनाथ प्रजापति (बाबा), कमाल अहमद (नेता जी), कय्यूम चौधरी, रसीद बेग, ताहिर, बिनीत गुप्ता, कालीचरण, नवाज अहमद समेत अन्य लोग शामिल रहे।

धूमधाम से मनाया गया इनरव्हील क्लब ऑफ गोल्डन कल्याणी का अधिष्ठापन समारोह

- हरियाली तीज पर हरे परिधानों में सजीं महिलाओं ने प्रस्तुत किए मनमोहक नृत्य, खेलों में जीते उपहार

(यंग भारत न्यूज)

उरई,जालौन। इनरव्हील क्लब ऑफ गोल्डन कल्याणी का अधिष्ठापन समारोह एवं हरियाली तीज कार्यक्रम शनिवार को कालपी रोड स्थित नवोदय सरोवर में धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष अर्चना द्विवेदी को पुन: अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। मुख्य अतिथि जेडपीसी अरुणा सक्सेना ने उन्हें कॉलर पहनाकर क्लब की जिम्मेदारी सौंपी।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। क्लब की सदस्य अनीता निरंजन ने गणेश वंदना प्रस्तुत की। इसके बाद सदस्यों ने हरियाली तीज उत्सव मनाया। हरे रंग के आकर्षक परिधानों में सजी महिलाओं ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर समां बांध दिया। इस दौरान विभिन्न मनोरंजक खेलों का भी आयोजन किया गया, जिसमें सदस्यों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग कर उपहार जीते। मुख्य अतिथि अरुणा सक्सेना ने क्लब के सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि इनरव्हील क्लब जिले में अलग तरह के सामाजिक कार्य कर रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि क्लब इसी तरह जरूरतमंद लोगों की मदद करता रहेगा। नवनियुक्त अध्यक्ष अर्चना द्विवेदी ने कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करेंगी। उन्होंने कहा कि क्लब के माध्यम से समाज के जरूरतमंद लोगों की मदद करने का प्रयास लगातार जारी रहेगा। चार्टर प्रेसिडेंट कल्पना कनकने ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन चार्टर सेक्रेटरी संगीता द्विवेदी ने किया। उनके प्रभावी और मनमोहक संचालन की उपस्थित सदस्यों ने सराहना की। इस दौरान नवनिर्वाचित वाइस प्रेसिडेंट मीनल ईटोंडिया, सेक्रेटरी शांति गुप्ता, ज्वाइंट सेक्रेटरी निशा राजपूत, ट्रेजरर संध्या शिवहरे, आईएसओ अनीता और एडिटर रचना गुप्ता ने अपने-अपने पदों की जिम्मेदारी संभाली। कार्यक्रम में ऊषा सिंह, ममता सिंह, पूनम मेहतेले, श्वेता अग्रवाल, निधि रेजा, पूनम गुप्ता, संध्या गुप्ता, संध्या सविता, स्वप्निल, रेखा चौहान, नवनियुक्त सदस्य आरती सोनी, सरस्वती सिंह, अंकिता उदैनिया, आरती सहित क्लब की अन्य सदस्य मौजूद रहीं।

इंदिरा नगर में जलभराव की शिकायत पर मौके पर पहुंचे जिलाधिकारी, राहत कार्यों का लिया जायजा

पंपिंग सेट लगाकर जलनिकासी का कार्य तेज, उरई रजवाहे के पक्के निर्माण का प्रस्ताव भेजने के निर्देश

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। उरई के इंदिरा नगर क्षेत्र में जलभराव की शिकायत का संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का निरीक्षण किया और जलनिकासी के लिए किए जा रहे कार्यों का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों से जलभराव के कारणों तथा अब तक की गई कार्रवाई की जानकारी लेते हुए प्रभावित क्षेत्र में शीघ्र जलनिकासी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने बताया कि पिछले तीन दिनों में हुई भारी बारिश के कारण खेतों में बड़ी मात्रा में पानी एकत्र हो गया था। इंदिरा नगर के आसपास नई बस्ती विकसित होने के साथ कई स्थानों पर खेतों में आवास भी बने हुए हैं। खेतों का पानी उरई रजवाहे में पहुंचने से नहर का जलस्तर बढ़ गया और ओवरफ्लो की स्थिति बनी। इसके चलते रजवाहे में लगभग पांच-छह स्थानों पर कटान होने से निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हुई। जिलाधिकारी ने बताया कि स्थिति को नियंत्रित करने के लिए तत्काल नगर पालिका द्वारा पंपिंग सेट लगाए गए हैं और उरई रजवाहे के पानी को डायवर्ट कर जलनिकासी का कार्य कराया जा रहा है। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए कि पंपिंग सेट के माध्यम से जलनिकासी का कार्य लगातार जारी रखते हुए प्रभावित क्षेत्र से जल्द से जल्द पानी निकाला जाए, ताकि स्थानीय लोगों को राहत मिल सके। जिलाधिकारी ने कहा कि जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए पूरे क्षेत्र का सर्वे कराया जा रहा है। साथ ही उरई रजवाहे को पक्का किए जाने का प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजा जाएगा, जिससे भविष्य में कटान की समस्या पर प्रभावी रूप से अंकुश लगाया जा सके और आसपास के क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व संजय कुमार, सिचाई विभाग के अधिशासी अभियंता धर्म घोष, अधिशासी अधिकारी राम अचल कुरील आदि सहित सम्बंधित अधिकारी मौजूद रहे।

त्योहारों से पहले उरई में पुलिस-प्रशासन का शक्ति प्रदर्शन, डीएम-एसपी ने किया पैदल मार्च

मुख्य मार्ग से सर्राफा बाजार तक सुरक्षा व्यवस्था परखी, व्यापारियों से संवाद कर दिलाया सुरक्षा का भरोसा

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। आगामी त्योहारों को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कमर कस ली है। शनिवार को जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने भारी पुलिस बल के साथ उरई शहर में पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। अधिकारियों ने मुख्य मार्गों, बाजारों और विशेष रूप से सर्राफा बाजार में पहुंचकर सुरक्षा इंतजामों को परखा।पैदल गश्त के दौरान डीएम-एसपी ने व्यापारियों, दुकानदारों और आमजन से संवाद किया। उन्होंने लोगों से त्योहारों के दौरान आपसी सौहार्द बनाए रखने की अपील करते हुए किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की बात कही। अधिकारियों ने व्यापारियों को आश्वस्त किया कि त्योहारों के दौरान शहर में पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहेगा और कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने भीड़भाड़ वाले स्थानों, बाजारों एवं सार्वजनिक स्थलों पर पुलिस की मुस्तैदी बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखने और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पुलिस बल को सतर्क रहने को कहा गया। पैदल गश्त में अपर पुलिस अधीक्षक समेत पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। डीएम-एसपी ने स्पष्ट किया कि त्योहारों के दौरान शहर में शांति, सौहार्द और कानून व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। पुलिस की सक्रिय मौजूदगी से आमजन में भी सुरक्षा का भरोसा दिखाई दिया।

आयुष्मान डाटा संशोधन में 1,155 आवेदन, डकोर सबसे आगे

-डकोर से सबसे अधिक 374 आवेदन, महेवा 358 के साथ दूसरे स्थान पर

-आधार के अनुसार होगा डाटा संशोधन, लाभार्थियों के लिए प्रक्रिया पूरी तरह निःशुल्क

-नाम, पता, लिंग और जन्मतिथि की त्रुटियां होंगी दूर, मृतक व हटाए गए सदस्यों के नाम भी सूची से होंगे अलग

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जनपद में आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थियों के डाटा संशोधन की प्रक्रिया तेजी से चल रही है। अब तक जिले में कुल 1,155 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें डकोर ब्लॉक से सबसे अधिक 374 आवेदन आए हैं, जबकि महेवा ब्लॉक 358 आवेदनों के साथ दूसरे स्थान पर है। स्वास्थ्य विभाग ने लाभार्थियों से अपील की है कि जिनका आयुष्मान कार्ड किसी कारणवश नहीं बन सका है, वे आवश्यक दस्तावेजों के साथ नजदीकी ब्लॉक चिकित्सालय अथवा आयुष्मान आरोग्य मंदिर पहुंचकर डाटा संशोधन करा लें।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एचएन प्रसाद ने बताया कि आयुष्मान डाटा संशोधन के दौरान किसी लाभार्थी को किसी भी स्तर पर परेशानी आती है तो वह तत्काल संबंधित ब्लॉक चिकित्सालय के चिकित्सा अधीक्षक अथवा सीएमओ कार्यालय में डीआईयू से संपर्क कर सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पूरी प्रक्रिया पूर्णतया निःशुल्क है। आयुष्मान भारत कार्यक्रम प्रभारी डॉ. आशीष कुमार झा ने बताया कि आधार कार्ड और आयुष्मान डाटा में भिन्नता होने के कारण जिन लाभार्थियों के कार्ड नहीं बन पा रहे थे, उनके विवरण को अब आधार कार्ड के अनुसार संशोधित किया जा रहा है। लाभार्थी ब्लॉक चिकित्सालय स्थित आयुष्मान कियोस्क अथवा आयुष्मान आरोग्य मंदिर में सीएचओ के माध्यम से संशोधन करा सकते हैं। पोर्टल पर डाटा संशोधित होने के बाद आधार के आधार पर आयुष्मान कार्ड आसानी से बनाया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि लाभार्थी के नाम, पिता के नाम, पते, लिंग अथवा जन्मतिथि में किसी तरह की गलती होने पर संशोधन के लिए आवेदन लिए जा रहे हैं। इसके अलावा सूची में शामिल मृतक, विस्थापित परिवार या सदस्य, विवाहिता महिलाओं तथा राशन कार्ड से नाम हट चुके सदस्यों को भी सूची से अलग करने की प्रक्रिया चल रही है। विभाग ऐसे लाभार्थियों को भी चिन्हित कर रहा है जो आयुष्मान कार्ड बनवाने के इच्छुक नहीं हैं और अपना या परिवार के किसी सदस्य का नाम योजना से निरस्त करवाना चाहते हैं। साथ ही वर्ष 2011 की लाभार्थी सूची में शामिल ऐसे परिवारों का भी डाटा अलग किया जा रहा है, जिनके नाम अन्त्योदय अथवा पात्र गृहस्थी राशन कार्ड धारकों की सूची में भी दर्ज हैं। ब्लॉकवार प्राप्त आवेदन में डकोर के 374, महेवा के 358, माधोगढ़ के 132, जालौन के 87, रामपुरा के 27, कदौरा के 15, नदीगांव के 15, कुठौंद के 13 तथा अन्य से 10 आवेदन शामिल हैं। स्वास्थ्य विभाग ने सभी पात्र लाभार्थियों से समय रहते अपना डाटा सही कराने की अपील की है।

ग्राम रंगोली में पुल निर्माण कार्य का जिलाधिकारी ने लिया जायजा

ग्रामीणों की सुविधा को प्राथमिकता, अस्थायी पक्के डायवर्जन का निर्माण तेजी से शुरू

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। ग्राम रंगोली में मलंगा नाला पर निर्माणाधीन पुल का जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति एवं आवागमन की स्थिति का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को ग्रामीणों की सुविधा को प्राथमिकता में रखते हुए कार्य को तेजी से पूरा कराने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान अधिशासी अभियंता सुनील कुमार ने जिलाधिकारी को बताया कि मलंगा नाला पर पुल का निर्माण कार्य प्रगति पर है। हाल में हुई भारी बारिश के कारण नाले में पानी का प्रवाह बढ़ने से आवागमन के लिए बनाया गया अस्थायी पुल क्षतिग्रस्त होकर बह गया था। इससे ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि पुल निर्माण कार्य को प्रभावित किए बिना आवागमन की सुविधा बहाल करने के लिए पाइप डालकर पक्का अस्थायी डायवर्जन तैयार किया जाए। उनके निर्देशों के अनुपालन में मौके पर डायवर्जन का कार्य तत्काल शुरू करा दिया गया है। अधिशासी अभियंता द्वारा पूरी टीम, मशीनरी एवं आवश्यक मानव संसाधन लगाकर कार्य को तेजी से कराया जा रहा है। जिलाधिकारी ने मौके पर ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं भी जानीं। ग्रामीणों ने स्थायी रूप से पुल का निर्माण पूर्ण होने की आवश्यकता बताई, जिस पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्य में किसी प्रकार की बाधा न आने देने तथा कार्य की लगातार निगरानी करने के निर्देश दिए। अधिशासी अभियंता ने बताया कि अस्थायी पक्के डायवर्जन का निर्माण दो से तीन दिन में पूरा कर आवागमन सुचारु करने का लक्ष्य रखा गया है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि कार्य में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए और निर्धारित समय में डायवर्जन तैयार कर ग्रामीणों को आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। इससे ग्रामीणों की तत्काल समस्या का समाधान होने के साथ ही पुल का मूल निर्माण कार्य भी निर्बाध रूप से जारी रह सकेगा।

कान्हा गौशाला पहुंचे जिलाधिकारी, गोवंशों की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

गोवंशों को गुड़-चना खिलाकर जताया स्नेह, बेहतर देखभाल और व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। सरसौखी कान्हा गौशाला में जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने पहुंचकर गौशाला में संरक्षित गोवंशों के लिए उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने गौशाला परिसर का भ्रमण कर गोवंशों के रख-रखाव, चारा, पेयजल, साफ-सफाई एवं स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने गौशाला में संरक्षित गोवंशों को अपने हाथों से गुड़ एवं चना खिलाया। गोवंशों के प्रति स्नेह एवं संवेदनशीलता का संदेश देते हुए उन्होंने कहा कि गोवंशों का संरक्षण एवं उनकी बेहतर देखभाल शासन की प्राथमिकताओं में शामिल है। गौशाला में प्रत्येक गोवंश को पर्याप्त चारा, स्वच्छ पेयजल तथा आवश्यक पशु चिकित्सा सुविधाएं समय से उपलब्ध कराई जाएं। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि गौशाला परिसर में नियमित रूप से साफ-सफाई कराई जाए और गोवंशों के स्वास्थ्य की निरंतर निगरानी की जाए। बीमार एवं कमजोर गोवंशों को चिन्हित कर उनके उपचार एवं विशेष देखभाल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने चारे की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने के निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने कहा कि गौशाला केवल गोवंशों को आश्रय देने का स्थान नहीं, बल्कि उनकी सेवा, सुरक्षा और बेहतर देखभाल का केंद्र है। इसलिए संबंधित अधिकारी नियमित रूप से व्यवस्थाओं की निगरानी करते रहें और यह सुनिश्चित करें कि संरक्षित गोवंशों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह, सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं गौशाला से जुड़े कर्मचारी उपस्थित रहे।

अपना दल (एस) जिलाध्यक्ष अनिल कुदारी के आवास पर राज्यमंत्री कृष्णा पासवान का जोरदार स्वागत

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। बुंदेलखंड दौरे के तहत उरई प्रवास पर पहुंचीं उत्तर प्रदेश सरकार की पशुधन एवं दुग्ध विकास राज्य मंत्री एवं खागा विधायक श्रीमती कृष्णा पासवान का अपना दल (एस) के जिलाध्यक्ष अनिल कुदारी के आवास पर पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत एवं अभिनंदन किया।

राज्यमंत्री कृष्णा पासवान के उरई आगमन पर विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक का कार्यक्रम निर्धारित था। क्षेत्र भ्रमण के दौरान वह अपना दल (एस) के जिलाध्यक्ष अनिल कुदारी के आवास पर पहुंचीं। यहां परिवारजनों, इष्ट-मित्रों एवं पार्टी पदाधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर तथा माला पहनाकर उनका भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर राज्यमंत्री ने अनिल कुदारी को अपना आशीर्वाद प्रदान किया। स्वागत कार्यक्रम में अपना दल (एस) के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रोहित राठौर, लाल सिंह बगिया, सुघर सिंह पटेल, परमात्मा शरण गुबरेले, अंकित सिंह अहिरवार, निराला कुशवाहा, शिवानी कुशवाहा, रक्षित कुशवाहा सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आरक्षण हटाओ आंदोलन के तहत गांधी चबूतरा पर अनशन

-जातिगत आरक्षण की समीक्षा की मांग

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। आरक्षण हटाओ आंदोलन के तत्वावधान में रविवार को गांधी चबूतरा, उरई में अनशन का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय ब्राह्मण एकता संघ के संस्थापक/राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. अभिषेक दीक्षित के नेतृत्व में आयोजित अनशन के माध्यम से केंद्र एवं राज्य सरकार से जातिगत आधार पर दिए जा रहे आरक्षण की व्यापक समीक्षा कर चरणबद्ध रूप से समाप्ति की मांग उठाई गई।

आंदोलनकारियों ने कहा कि वर्तमान में लागू आरक्षण व्यवस्था के साथ-साथ यूजीसी के वर्ष 2026 के नए नियमों एवं विनियमों की भी समीक्षा की जानी चाहिए। जिन प्रावधानों को पक्षपातपूर्ण अथवा भेदभावपूर्ण माना जा रहा है, उन्हें वापस लेकर सभी वर्गों के हित में पारदर्शी व्यवस्था लागू की जाए। इसके अलावा एससी/एसटी (अत्याचार निवारण) अधिनियम के कथित दुरुपयोग को रोकने के लिए प्रभावी सुधार किए जाने की मांग भी की गई। आंदोलनकारियों का कहना है कि उनका उद्देश्य किसी जाति, समुदाय या वर्ग का विरोध करना नहीं, बल्कि समान नागरिक अधिकार, योग्यता आधारित अवसर, सामाजिक समरसता तथा कानून का समान एवं निष्पक्ष अनुपालन सुनिश्चित कराना है। आंदोलनकारियों ने जातिगत आरक्षण की व्यापक समीक्षा कर इसे समाप्त करने की दिशा में ठोस नीति बनाने तथा आर्थिक एवं वास्तविक सामाजिक पिछड़ेपन को आधार बनाकर समान अवसर की व्यवस्था विकसित करने की मांग की। साथ ही यूजीसी के वर्ष 2026 के नए नियमों एवं विनियमों की समीक्षा कर विवादित अथवा भेदभावपूर्ण प्रावधानों को वापस लेने और सभी वर्गों के हित में पारदर्शी व्यवस्था बनाने की मांग रखी गई।एससी/एसटी (अत्याचार निवारण) अधिनियम के किसी निर्दोष व्यक्ति के विरुद्ध दुरुपयोग को रोकने के लिए निष्पक्ष जांच, उचित प्रक्रिया और आवश्यक कानूनी सुरक्षा संबंधी सुधार किए जाने की मांग भी आंदोलनकारियों ने उठाई। आरक्षण हटाओ आंदोलन के तहत गांधी चबूतरा, उरई में अनशन कर रहे आंदोलनकारियों ने सरकार से अपनी मांगों पर गंभीरता से विचार करने और प्रतिनिधिमंडल को वार्ता के लिए बुलाने की मांग की है। आंदोलनकारियों ने कहा कि उनका अनशन शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांगों को सरकार तक पहुंचाने का माध्यम है। आंदोलनकारियों ने कहा कि आंदोलन का उद्देश्य समाज के किसी वर्ग के प्रति वैमनस्य पैदा करना नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था की मांग करना है, जिसमें प्रत्येक नागरिक को समान सम्मान, समान अवसर और कानून का समान संरक्षण प्राप्त हो। आंदोलनकारियों की प्रमुख मांगों में एससी/एसटी एक्ट में फंसाए गए वास्तविक पीड़ितों को त्वरित न्याय एवं सुरक्षा दिलाना तथा झूठे अथवा दुर्भावनापूर्ण मामलों में निर्दोष नागरिकों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करना शामिल है। इसके अलावा शिक्षा एवं रोजगार में जाति के बजाय आर्थिक स्थिति, पारिवारिक परिस्थितियों, प्रतिभा और वास्तविक आवश्यकता को भी महत्वपूर्ण आधार बनाए जाने की मांग की गई है। आंदोलनकारियों ने सरकार से सभी मांगों पर खुली एवं सार्थक चर्चा करने तथा आवश्यक विधायी और नीतिगत सुधारों के लिए उच्चस्तरीय समिति गठित करने की भी मांग रखी है। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से मांगों पर सकारात्मक पहल होने तक लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक माध्यमों से आंदोलन जारी रखा जाएगा। आंदोलनकारियों ने केंद्र सरकार से प्रतिनिधिमंडल को वार्ता के लिए बुलाकर इन मुद्दों पर गंभीरता से विचार करने की अपील की है।इस मौके पर प्रमुख रूप से सत्यम गुप्ता, हिमांशु ठाकुर, अनुरुद्ध महाराज, राजा ठाकुर, प्रदुम्न द्विवेदी, अंश मिश्रा, राजा द्विवेदी, अवनीश अवस्थी, रजत दुवे, हर्ष चतुर्वेदी, रोहित त्रिपाठी, देव पराशर, अमन द्विवेदी, कुश तिवारी, सत्यम शर्मा, यतेन्द्र कुमार, राजकुमार, ओमजी पाठक, अमित पांडेय एडवोकेट सहित आदि लोग रहे।

रक्षाबंधन से पहले रसोइयों को मुख्यमंत्री का बड़ा उपहार

- मानदेय बढ़कर 3,000, 5 लाख तक कैशलेस इलाज, दुर्घटना पर 2 लाख सहायता

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। मुख्यमंत्री ने रविवार को लखनऊ के जुपिटर सभागार, इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, गोमती नगर से पीएम पोषण योजना के अंतर्गत कार्यरत मिड-डे मील रसोइयों के सम्मान समारोह में प्रदेश के 3.54 लाख रसोइयों को रक्षाबंधन से पहले महत्वपूर्ण सौगातें प्रदान कीं। इस अवसर पर रसोइयों के लिए कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरण कार्यक्रम का भी शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम का सजीव प्रसारण विकास भवन स्थित रानी लक्ष्मीबाई सभागार में जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय, मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह, विधान परिषद सदस्य के प्रतिनिधि आरपी निरंजन, विधान परिषद सदस्य के प्रतिनिधि मयंक त्रिपाठी, अपना दल (एस) जिलाध्यक्ष अनिल कुदारी, राष्ट्रीय लोक दल जिलाध्यक्ष ध्रुव, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी विकास चौधरी, जिला विकास अधिकारी प्रशांत पाण्डेय सहित जनप्रतिनिधियों एवं बड़ी संख्या में रसोइया बहनों ने देखा और सुना। मुख्यमंत्री द्वारा रसोइयों के हित में एक साथ चार महत्वपूर्ण सौगातों की घोषणा की गई। रसोइयों का मानदेय 2,000 से बढ़ाकर 3,000 प्रतिमाह किया गया है। दुर्घटना की स्थिति में 2 लाख की सहायता राशि स्टेट बैंक के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी। इसके साथ ही प्रत्येक रसोइया को प्रतिवर्ष 5 लाख तक की कैशलेस चिकित्सा सुविधा मिलेगी। वहीं, वस्त्र एवं परिधान के लिए दी जाने वाली राशि को 500 से बढ़ाकर 1,000 प्रतिवर्ष किया गया है। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि पीएम पोषण योजना के माध्यम से रसोइया बहनें बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के साथ-साथ उनके स्वस्थ एवं बेहतर भविष्य की नींव मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा रसोइयों के मानदेय में वृद्धि, कैशलेस चिकित्सा सुविधा और दुर्घटना सहायता जैसी सौगातें प्रदान किया जाना उनके सम्मान एवं सामाजिक सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि रसोइया बहनों की मेहनत और सेवाओं का सम्मान करते हुए शासन द्वारा प्रदान की गई इन सुविधाओं का लाभ उन्हें पूरी पारदर्शिता के साथ उपलब्ध कराया जाएगा।जनपद जालौन में पीएम पोषण योजना के अंतर्गत 3,306 रसोइयाएं कार्यरत हैं। मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा घोषित इन सुविधाओं का लाभ जिले की सभी पात्र रसोइयों को मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान रसोइया बहनों के चेहरों पर खुशी और उत्साह साफ दिखाई दिया। उपस्थित रसोइयों ने मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा मानदेय में वृद्धि, कैशलेस चिकित्सा सुविधा सहित अन्य सौगातें दिए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की। इस अवसर पर रसोइयों को कैशलेस चिकित्सा कार्ड भी वितरित किए गए।

कांग्रेस पार्टी का संगठन सृजन कार्यक्रम का आयोजन 25 अगस्त को

(यंग भारत न्यूज)

कोंच कांग्रेस पार्टी की ओर से आगामी 25 अगस्त को नगर में स्थित कलावती गार्डन में संगठन सृजन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर रविवार को कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने तैयारियां तेज करते हुए आयोजन की रूपरेखा तैयार कर ली है। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी जा रही हैं।

कांग्रेस नगर अध्यक्ष राघवेंद्र तिवारी और ब्लॉक प्रभारी संजय कुशवाहा ने बताया कि संगठन सृजन कार्यक्रम कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आह्वान पर आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम में राजस्थान के दौसा लोकसभा क्षेत्र से वर्तमान सांसद मुरारी लाल मीणा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता कांग्रेस के जालौन जिलाध्यक्ष अरविंद सिंह सेंगर करेंगे।कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों के रूप में बृजेन्द्र व्यास डमडम महाराज, बृजराम अहिरवार और सुनील जैन खजूरिया मौजूद रहेंगे। आयोजन के दौरान पार्टी संगठन को मजबूत करने, कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने और आगामी राजनीतिक गतिविधियों को लेकर चर्चा होगी।कांग्रेस पदाधिकारियों के मुताबिक संगठन सृजन कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पार्टी के संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना और अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं को पार्टी की गतिविधियों से जोड़ना है। कार्यक्रम में स्थानीय कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता और वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। इस दौरान संगठन के विस्तार, बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं की भूमिका और आगामी रणनीति को लेकर महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। पदाधिकारी आयोजन स्थल की व्यवस्थाओं से लेकर कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने तक की तैयारियों में जुटे हुए हैं। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि संगठन सृजन कार्यक्रम के माध्यम से पार्टी के जमीनी संगठन को और अधिक सक्रिय एवं मजबूत बनाने का प्रयास किया जाएगा। इस मौके पर कांग्रेस के रामकिशोर पुरोहित, राघवेंद्र तिवारी, अनिल पटैरिया, संजय कुशवाहा सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बोलेरो की टक्कर से घायल बाइक सवार की उपचार के दौरान मौत

(यंग भारत न्यूज)

उरई। कुठौंद थाना क्षेत्र में दो दिन पहले बोलेरो की टक्कर से गंभीर रूप से घायल बाइक सवार युवक की रविवार को कानपुर में उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान सिरसा कलार थाना क्षेत्र के लोही गांव निवासी 45 वर्षीय शीलू तिवारी के रूप में हुई है। हादसे के बाद पुलिस ने बोलेरो को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी थी।

जानकारी के अनुसार, शीलू तिवारी शुक्रवार शाम करीब 7:30 बजे बाइक से माधौगढ़ रोड स्थित पुष्पांजलि गेस्ट हाउस के सामने से गुजर रहे थे। इसी दौरान यूपी 92 क्यू 9050 नंबर की बोलेरो ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि शीलू बोलेरो में फंस गए और वाहन उन्हें घसीटते हुए माधौगढ़ स्टैंड तक ले गया। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने पीछा कर बोलेरो पकड़ी हादसे के बाद बोलेरो चालक मौके से वाहन लेकर भागने लगा। माधौगढ़ तिराहे पर तैनात पुलिसकर्मियों ने वाहन को देख लिया और पीछा कर बोलेरो को रोक लिया। पुलिस ने वाहन को कब्जे में लेकर घटना की जांच शुरू कर दी।

कानपुर में उपचार के दौरान मौत

गंभीर रूप से घायल शीलू तिवारी को प्राथमिक उपचार के बाद उरई रेफर किया गया था। हालत में सुधार नहीं होने पर परिजन उन्हें बेहतर इलाज के लिए कानपुर ले गए, जहां रविवार को उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

पत्नी और चार बच्चों को छोड़ गए शीलू

शीलू तिवारी अपने पीछे पत्नी और चार बच्चों को छोड़ गए हैं। इनमें एक बेटा और तीन बेटियां हैं। हादसे के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने बोलेरो को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है तथा हादसे के कारणों और वाहन चालक की भूमिका की जांच की जा रही है।

बदलते मौसम में खांसी जुखाम का बढा खतरा,बच्चो का रखे ख्याल-डॉ आलोक

(यंग भारत न्यूज)

कोंच पिछले कई दिनों से लगातार हो रही बारिश से तापमान में गिरावट आई है और मौसम में कुछ हद तक ठंडक हो गई जिसके चलते उमस भरी गर्मी से परेशान लोगों को थोड़ी बहुत राहत पहुंची है, लेकिन बच्चों में खांसी-जुकाम और वायरल फीवर का खतरा बढ़ा है।उमस भरी गर्मी के बीच एकाएक ठंडक हो जाने से छोटे बच्चों, बुजुर्गों और बीमार चल रहे लोगों में खांसी, जुकाम और वायरल फीवर का भी खतरा बढ़ गया है। नीमा के अध्यक्ष आयुष्मान अस्पताल के संचालक डॉ. आलोक निरंजन ने कहा है कि उमस भरी गर्मी के बीच अचानक ठंडक होने से बच्चों की देखभाल करना बेहद जरूरी है।उन्होने बताया बच्चों को ठंडी हवा व ठंडे भोजन से दूर रखने की जरूरत है।डॉ आलोक ने कहा अधिक समय तक बच्चों को ठंडे पानी से स्नान नहीं कराना चाहिए और हाफ कपड़ों के बजाय फुल कपड़े पहनाएं। कूलर एसी की अपेक्षा पंखे की हवा ही काफी है। गरम ताजा व सादा भोजन ही बच्चों को दें।उन्होने कहा जरा सा भी स्वास्थ्य बिगड़ने पर तत्काल अपने चिकित्सक से सलाह लेकर ही दवा दें।

विवाहिता ने लगाया ससुरालीजनो पर मारपीट व घर से निकाल देने का आरोप

(यंग भारत न्यूज)

कोंच कोतवाली क्षेत्र के मुहल्ला जयप्रकाश नगर निवासी एक विवाहिता ने अपने पति और सास पर मारपीट, गाली-गलौज, दहेज की मांग तथा घर से निकालने का आरोप लगाया है। पीड़िता उमरा पत्नी राजा ने रविवार को कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक निगवेन्द्र प्रताप सिंह को शिकायती पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है।पीड़िता ने अपने शिकायती पत्र में बताया कि उसने राजा के साथ प्रेम विवाह किया था। आरोप है कि शादी के बाद से ही उसका पति राजा और सास सलमा आए दिन उसके साथ मारपीट और गाली-गलौज करते हैं। पीड़िता का कहना है कि उक्त लोगो द्वारा उसे घर से निकाल दिया गया और अब उसे वापस घर में नहीं रख रहे है।

विवाहिता ने यह भी आरोप लगाया कि पति व ससुराल पक्ष की ओर से दहेज की मांग की जाती है तथा उसे तलाक देने की बात कहकर परेशान किया जाता है। पीड़िता ने पुलिस से पति राजा और उसके परिवार के खिलाफ कानूनी एवं दंडात्मक कार्रवाई करने तथा उसे न्याय दिलाने की मांग की है। पुलिस ने प्रार्थनापत्र पर जांच कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए है।

भक्तों के लिए होता है भगवान का अवतार -टिंकू महाराज

(यंग भारत न्यूज)

कोटरा/ उरई। कोटरा क्षेत्र के ग्राम सिकरी व्यास स्थित हनुमत धाम हनुमान जी के मंदिर में श्रावण मास के पावन अवसर पर श्रीमद्भागवत कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। मंदिर के महंत श्री श्री 1008 श्याम दास जी महाराज की अध्यक्षता में महिला मंडल के तत्वावधान में आयोजित कथा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर धर्मलाभ ले रहे हैं। कथा के चौथे दिन कथा व्यास शास्त्री कृष्ण बिहारी तिवारी 'टिंकू महाराज' ने सूर्यवंश एवं चंद्रवंश का विस्तार से वर्णन करते हुए भगवान श्रीकृष्ण के जन्म की कथा सुनाई। उन्होंने कहा कि जब-जब पृथ्वी पर अत्याचार और अधर्म बढ़ता है, तब-तब भगवान किसी न किसी रूप में अवतार लेकर दुष्टों का संहार और भक्तों का उद्धार करते हैं। उन्होंने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण का जन्म मथुरा की कारागार में हुआ, लेकिन जन्मोत्सव का भव्य आयोजन गोकुल में बाबा नंद के यहां हुआ। बाबा नंद पूर्व जन्म में द्रोण नाम के वसु थे और उन्होंने भगवान की तपस्या कर उन्हें पुत्र रूप में प्राप्त करने की इच्छा की थी। इसी कारण भगवान श्रीकृष्ण ने उनके यहां बाल रूप में जन्म लेकर गोकुलवासियों को आनंदित किया। भगवान श्रीकृष्ण के जन्म महोत्सव का प्रसंग आते ही कथा पंडाल भक्तिमय हो उठा। घंटा-घड़ियाल और शंखनाद के बीच श्रद्धालुओं ने हर्षोल्लास के साथ 'नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की' के जयकारे लगाए और भक्ति में झूमकर नृत्य किया। श्रीमद्भागवत महापुराण की आरती एवं पूजन मंदिर के महंत श्याम दास जी महाराज ने किया। कथा में संगीत पर ग्रामीण कलाकार हर प्रसाद, परमानंद एवं गया प्रसाद ने सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर लल्लन सिंह, महेश पाल सिंह, अंकित सिंह, आजाद सिंह, राजवीर सिंह, राजा भैया, वीर सिंह, मास्टर साहब सहित सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे।

बच्चों के साथ बैठकर जिलाधिकारी ने किया भोजन, परखी खाने की गुणवत्ता

जवाहर नवोदय विद्यालय में छात्र-छात्राओं से संवाद कर जानी उनकी अपेक्षाएं, परिजनों से भी लिया फीडबैक

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय आज दोपहर जवाहर नवोदय विद्यालय पहुंचे तो माहौल कुछ अलग ही नजर आया। विद्यालय में छात्र-छात्राओं से मिलने पहुंचे उनके परिजन भी मौजूद थे। जिलाधिकारी ने बच्चों और उनके परिजनों से सहजता से संवाद करते हुए विद्यालय की पढ़ाई, रहन-सहन और उन्हें उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने बच्चों से उनकी दिनचर्या और विद्यालय में मिलने वाली सुविधाओं के बारे में सीधे बातचीत कर उनकी बात सुनी। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने विद्यालय की रसोई पहुंचकर भोजन तैयार होने की व्यवस्था, साफ सफाई और गुणवत्ता का जायजा लिया। इसके बाद वे भोजनालय कक्ष में पहुंचे, जहां मुख्य विकास अधिकारी और प्रधानाचार्य के साथ बच्चों से भोजन की गुणवत्ता के बारे में जानकारी ली। बच्चों से केवल पूछकर संतुष्ट होने के बजाय जिलाधिकारी ने भोजन की गुणवत्ता को स्वयं परखने का निर्णय लिया और मुख्य विकास अधिकारी व प्रधानाचार्य के साथ बच्चों के बीच टेबल पर बैठकर भोजन किया। जिलाधिकारी को अपने साथ बैठकर भोजन करते देख छात्र-छात्राओं के चेहरे पर खुशी और उत्साह साफ दिखाई दिया। बच्चों के साथ सहज माहौल में बातचीत करते हुए जिलाधिकारी ने उनके अनुभव जाने और भोजन के स्वाद व गुणवत्ता के बारे में भी जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने विद्यालय प्रशासन को निर्देश दिए कि बच्चों को स्वच्छ, पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन नियमित रूप से उपलब्ध कराया जाए और उनकी सुविधाओं में किसी प्रकार की कमी न रहने पाए। जिलाधिकारी ने कहा कि बच्चे हमारे भविष्य की नींव हैं, इसलिए उनकी शिक्षा के साथ-साथ स्वास्थ्य, पोषण और सुरक्षित एवं सुखद वातावरण का भी विशेष ध्यान रखा जाना जरूरी है। उन्होंने विद्यालय प्रशासन को बच्चों की आवश्यकताओं और सुझावों को प्राथमिकता के साथ सुनने तथा उनके सर्वांगीण विकास के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।जिलाधिकारी का बच्चों के बीच पहुंचकर उनसे संवाद करना, परिजनों से फीडबैक लेना और फिर उन्हीं के साथ बैठकर भोजन करना निरीक्षण को महज औपचारिकता से अलग बनाता नजर आया। इससे छात्र-छात्राओं में भी आत्मीयता और उत्साह का भाव देखने को मिला।

रामलीला का चुनाव आज

(यंग भारत न्यूज)

कोंच धर्मादा रक्षिणी सभा द्वारा संचालित श्रीरामलीला महोत्सव वर्ष 2026 की चुनाव प्रक्रिया आज दिन सोमवार को समय दोपहर 12 वजे गल्ला मंडी स्थित शंकर जी के मंदिर पर सम्पन्न होगी।धर्मादा रक्षिणी सभा के अध्यक्ष विजय गुप्ता भोले एवं मंत्री विनोद दुबे लौना वालो ने बताया रामलीला महोत्सव सानंद सम्पन्न कराने के लिए अध्यक्ष एवं मंत्री के सामूहिक आवेदन लिए गए है। उन्होने बताया अध्यक्ष एवं मंत्री के लिए कूल तीन सामूहिक आवेदन प्राप्त हुए है।प्राप्त आवेदनो मे ही किसी को अध्यक्ष/मंत्री बनाया जाएगा।बताया गया कि अध्यक्ष/ मंत्री को धर्मादा रक्षिणी सभा द्वारा मनोनीत किया जाएगा।वही उन्होने सभी गल्ला व्यापारियो से आग्रह किया कि शंकर जी के मंदिर पर समय से उपस्थित रहकर चुनाव प्रक्रिया को सम्पन्न कराए।

विधायक विनोद चतुर्वेदी ने उठाया बीड़ा

कालपी के दो प्राचीन मंदिरों का होगा कायाकल्प, 1.32 करोड़ की योजनाओं का भूमि पूजन

- मां वनखंडी देवी और प्राचीन गणेश मंदिर में विकास कार्य शुरू, श्रद्धालुओं को मिलेंगी बेहतर सुविधाएं
-धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने की पहल, दोनों मंदिरों में 1.32 करोड़ रुपये से होंगे विकास कार्य
- कालपी को पर्यटन मानचित्र पर लाने की कवायद तेज, विधायक विनोद चतुर्वेदी ने किया योजनाओं का शुभारंभ
- मंदिरों में हॉल, शौचालय, स्नानगृह और पानी की होगी व्यवस्था, विधायक ने गुणवत्ता पर दिया जोर

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन), 23 अगस्त उत्तर प्रदेश के जालौन जिले के कालपी में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में रविवार को महत्वपूर्ण पहल की गई। क्षेत्रीय विधायक विनोद चतुर्वेदी की पहल पर मां वनखंडी देवी मंदिर और गणेशगंज स्थित प्राचीन गणेश मंदिर के विकास कार्यों का भूमि पूजन कर दोनों परियोजनाओं का शुभारंभ किया गया। दोनों मंदिरों के विकास पर कुल 1.32 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इन योजनाओं का उद्देश्य कालपी के प्राचीन धार्मिक स्थलों को आधुनिक सुविधाओं से जोड़कर उन्हें पर्यटन मानचित्र पर प्रमुख स्थान दिलाना है।

मां वनखंडी देवी मंदिर में महंत जमुनादास महाराज के सानिध्य में भूमि पूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ। वहीं गणेशगंज स्थित प्राचीन गणेश मंदिर में विद्वान आचार्यों ने विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजन कराया। इसके बाद विधायक विनोद चतुर्वेदी ने कार्यदायी संस्था के इंजीनियरों और संबंधित अधिकारियों की मौजूदगी में दोनों विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया। विधायक ने बताया कि मां वनखंडी देवी मंदिर के विकास के लिए करीब 68 लाख रुपये की योजना स्वीकृत की गई है। इसके तहत मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं और यात्रियों के ठहरने के लिए हॉल का निर्माण कराया जाएगा। इसके साथ शौचालय, स्नानगृह और पानी की व्यवस्था भी विकसित की जाएगी। हॉल के बगल में बरामदे का निर्माण भी कराया जाएगा। इससे दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को ठहरने और अन्य जरूरी सुविधाएं आसानी से उपलब्ध हो सकेंगी।इसी प्रकार गणेशगंज स्थित प्राचीन गणेश मंदिर में करीब 64 लाख रुपये की लागत से विकास कार्य कराए जाएंगे। यहां श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधा के लिए हॉल, शौचालय, स्नानगृह और पानी की व्यवस्था के अलावा अन्य आवश्यक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। विकास कार्य पूरे होने के बाद मंदिर परिसर में आने वाले श्रद्धालुओं को पहले की अपेक्षा बेहतर सुविधाएं मिलने की उम्मीद है। भूमि पूजन के बाद विधायक ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता और समयबद्धता पर विशेष जोर दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और कार्यदायी संस्था के इंजीनियरों को निर्देश दिया कि निर्माण में किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने कहा कि सभी कार्य निर्धारित मानकों और स्वीकृत योजना के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण तरीके से कराए जाएं तथा तय समय सीमा में परियोजनाओं को पूरा किया जाए। विकास कार्य उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग और उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद के सहयोग से कराए जा रहे हैं। निर्माण की जिम्मेदारी मेसर्स अनिल कुमार जमरोही को सौंपी गई है। अधिकारियों ने बताया कि दोनों परियोजनाओं के पूरा होने के बाद मंदिरों में आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी।इस अवसर पर क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी धर्मेंद्र शर्मा और उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद के अधिशासी अधिकारी उमानाथ शुक्ला सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने विधायक को आश्वासन दिया कि निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा में गुणवत्ता के साथ पूरा कराया जाएगा। इन परियोजनाओं से कालपी के धार्मिक स्थलों के विकास के साथ स्थानीय स्तर पर पर्यटन गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

बेटी का सनसनीखेज आरोप, नशेड़ी पिता जबरन शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाता है

पुलिस ने किया मामला दर्ज

(यंग भारत न्यूज)

कोंच नगर के एक मुहल्ले की रहने वाली युवती ने अपने पिता पर शराब के नशे में धुत्त होकर उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए जाने का दबाव बनाने का आरोप लगाते हुए सौतेली मां पर भी इस घृणित व गलत काम में पिता का साथ देने का सनसनीखेज आरोप लगाते हुए पुलिस को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

शनिवार को कोतवाली में अपने दादा के साथ पहुंची युवती ने शिकायती पत्र देकर बताया कि उसकी मां की मृत्यु हो चुकी है और उसके पिता ने एक महिला जो सरकारी शिक्षिका है, के साथ दूसरी शादी की हुई है। उसकी सौतेली मां कोंच से बाहर रहती है जबकि वह यहां पर पिता के साथ में रहती है। शिकायती पत्र में युवती ने बताया कि उसका पिता शराब के नशे में धुत्त होकर उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए जाने का उस पर दबाव बनाता है और सौतेली मां भी उसे प्रताड़ित कर पिता की बात मान लेने के लिए उसे धमकाती है। बकौल युवती, पिता धमकी देता है कि यदि शारीरिक संबंध नहीं बनाए तो उसे भी मां की तरह जान से मार देंगे। युवती ने शिकायती पत्र में बताया कि 20 अगस्त की रात करीब 11 बजे पिता ने उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाने की कोशिश की और उसने विरोध किया तो धमकी देकर पिता घर से बाहर कहीं भाग गया। युवती ने मामले को लेकर कार्रवाई किए जाने की गुहार लगाई है। इस सनसनीखेज मामले में सीओ का कहना है कि शिकायत को गंभीरता से लेकर जांच कराई जा रही है, जांच में यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो आरोपियों के विरुद्ध कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।वही कोतवाली पुलिस ने युवती की तहरीर के आधार पर पिता के खिलाफ संबंधित धाराओ में मामला दर्ज कर लिया है।

चौथी ठढ़ेश्वरी कांवर यात्रा निकाली जायेगी सोमवार

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। सावन के चौथे सोमवार को चौथी ठढ़ेश्वरी कांवर यात्रा 24 अगस्त को निकाली जायेगी। कार्यक्रम की तैयारी पूरी कर ली गयी है। तीन वर्ष पूर्व से शुरू हुई ठढ़ेश्वरी कांवर यात्रा के आयोजक महेश ककईया ने बताया कि पिछली वर्ष की भांति इस वर्ष भी सावन के चौथे सोमवार को ठढ़ेश्वरी कांवर यात्रा 24 अगस्त दिन सोमवार को सुबह आठ बजे उरई मार्ग पर स्थित श्रीवीर बालाजी हनुमान मंदिर पैट्रोल पंप से शुरू होगी। कांवर यात्रा मंदिर से देवनगर चौराहे से कोतवाली के सामने से काली माता मंदिर, कांजी हाउस से नगर पालिका के सामने से होते हुए महाकालेश्वर मंदिर चुर्खी बाल पहुंचेगी और जलाभिषेक के साथ यात्रा का समापन होगा।

सपा नगर संगठन की बैठक में बूथ मजबूत करने पर जोर

(यंग भारत न्यूज)

कालपी जालौन 23 अगस्त। रविवार को समाजवादी पार्टी नगर संगठन की बैठक आयोजित की गई संचालन नगर महासचिव उबैश पठान ने किया बैठक में संगठन को मजबूत करने के साथ आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर 12 बिंदुओं पर चर्चा की गई बैठक में बूथ स्तर पर संगठन की स्थिति की समीक्षा की गई। पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से बूथों की कमियों को चिह्नित कर उन्हें दूर करने तथा जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया गया कार्यकर्ताओं ने घर-घर संपर्क अभियान चलाकर पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को जनता तक पहुंचाने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने भाजपा सरकार की नाकामियों और जनता से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाने के साथ सपा सरकार के कार्यकाल में कराए गए विकास कार्यों की जानकारी लोगों तक पहुंचाने पर जोर दिया। बैठक में पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक यानी पीडीए वर्ग के अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ने की रणनीति पर भी विचार किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि कालपी विधानसभा से पार्टी द्वारा जिसे भी प्रत्याशी घोषित किया जाएगा, नगर संगठन एकजुट होकर उसके समर्थन में पूरी ताकत से चुनाव अभियान चलाएगा। कार्यकर्ताओं ने वर्ष 2027 में सपा की सरकार बनाने का संकल्प लिया। संगठन में रहकर पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल लोगों से सतर्क रहने की अपील भी की गई इस दौरान भाजपा छोड़कर अधिवक्ता अंशुल कुलश्रेष्ठ, सुरेंद्र श्रीवास, अनिल पाल, कलाम बाबा और फुरकान कुरैशी ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की नगर संगठन के पदाधिकारियों ने नए सदस्यों का स्वागत किया बैठक में मौजूद अमर सिंह चंदेल सपा नगर अध्यक्ष अजीत यादव राजकुमार बाल्मिक आदि लोग मौजूद थे।

सावन महोत्सव में समाज की महिलाओं और युवतियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। नगर के एक गेस्ट हाउस में ब्राह्मण महिला समाज की ओर से सावन महोत्सव का आयोजन किया गया। ब्राह्मण महिला समाज की ओर से चुर्खी रोड स्थित एक गेस्ट हाउस में आयोजित सावन महोत्सव में समाज की महिलाओं और युवतियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरुआत सांस्कृतिक प्रश्नोत्तरी से हुई, जिसमें महिलाओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। इसके बाद म्यूजिकल चेयर रेस ने कार्यक्रम में खूब रंग जमाया। गीत-संगीत और नृत्य की प्रस्तुतियों पर महिलाओं और बाल कलाकारों ने तालियां बटोरीं। सावन के पारंपरिक उत्सव को ध्यान में रखते हुए आयोजित विभिन्न गतिविधियों में महिलाओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली। काफी देर तक गेस्ट हाउस का माहौल हंसी-खुशी और उल्लास से सराबोर रहा। महोत्सव में आयोजित प्रतियोगिताओं के दौरान गोल्डी को 'सावन क्वीन' के सम्मान से नवाजा गया। कार्यक्रम में सभी प्रतिभागी महिलाओं और बाल कलाकारों को उपहार देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया। डॉ. रंजना दुबे ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से महिलाओं को एक साथ जोड़ने के साथ ही भारतीय संस्कृति, पारंपरिक पर्वों और आपसी स्नेह की भावना को मजबूत कर सकते हैं। इस मौके पर सोना दुबे, मधु पांडे, प्रेमलता उपाध्याय, दीपा त्रिपाठी, जयंती दुबे, निशा पाठक, कमलेश त्रिपाठी, रंजना शुक्ला, गोल्डी, अनीता दुबे, मीनाक्षी, रजनी, प्रीति, रानी मिश्रा, आभा शर्मा, अनीता, सुमन, रेखा, आंचल, बबली, प्रिया, सिवानी, ऊषा, नीलम, कल्पना, प्रतिमा, पम्मी, रीना, सौनल, रूपम, संध्या, स्वाति, राखी, सोनाली, दीप्ति, अंशु, सौम्या आदि रहीं।

अवैध खनन व ओवरलोडिंग में लिप्त 10 ट्रक व डंपरों को पकड कर किया चालान

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। ओवरलोड ट्रक से हादसे में हुई मौत के बाद प्रशासन ने सख्ती शुरू कर दी है। अवैध खनन व ओवरलोडिंग में लिप्त 10 ट्रक व डंपरों को पकड़ा गया। जिन पर लाख से अधिक जुर्माना लगाया गया।

शनिवार की देर शाम ओवरलोड डंपर के औरैया रोड पर प्रतापपुरा के पास अचानक से मुड़कर दूसरी लेन में आ जाने के कारण एक युवक की मृत्यु हो गई थी। इस हादसे के बाद प्रशासन ने ओवलोडिंग करने वाले वाहनों के खिलाफ सख्ती दिखाना शुरू कर दी है। एसडीएम राकेश कुमार सोनी के नेतृत्व में परिवहन अधिकारी राजेश कुमार, खनन निरीक्षक की टीम ने बुंदेलखण्ड एक्सप्रेस वे पर अवैध खनन व ओवरलोडिंग को रोकने के लिए सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। खनिज विभाग, परिवहन विभाग और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के पास से होकर ओवरलोडिंग और अवैध खनन का परिवहन कर रहे 10 ट्रक, डंपर पकड़े हैं। जिन पर 10 रुपये से अधिक का जुर्माना लगाया गया है। इस प्रशासनिक कार्रवाई से ओवरलोडिंग करने वाले ट्रक पर डंपरों के पहिए थम गए। टीम के जाने के बाद ही उनका संचालन शुरू हुआ। पकड़े गए ट्रकों को कोतवाली पुलिस के सुपुर्द कर मंडी में खड़ा कराया गया है। एसडीएम राकेश सोनी ने बताया कि ओवरलोडिंग के खिलाफ कार्रवाई की गई है। जिसमें 10 ट्रकों को पकड़ा गया है। यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

शनि धाम मंदिर गूढ़ा न्यामतपुर में 10 फलदार पौधों का रोपण किया

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। भारत विकास परिषद छत्रसाल शाखा द्वारा शनि धाम मंदिर गूढ़ा न्यामतपुर में 10 फलदार पौधों का रोपण किया गया। पौधों को सुरक्षित रखने के लिए लोहे के ट्रीगार्ड भी लगाए गए।

शनिधाम मंदिर पर पौधरोपण कार्यक्रम में सुशील कुमार बाजपेयी ने कहा कि पौधे हैं तो पृथ्वी पर हमारे आने वाला कल है। आज पर्यावरण का संतुलन पौधों के अंधाधुन दोहन से ही बढ़ा है। डॉ. वेद प्रकाश शर्मा ने कहा कि पौधों को रोपने के बाद ही हमारी जिम्मेदारी समाप्त नहीं हो जाती है। पौधों को रोपने के बाद सभी सदस्य एक एक पौधे की देखभाल का भी संकल्प लें। इस दौरान पौधों को सुरक्षित रखने के लिए लोहे के ट्री गार्ड भी लगाए गए। इस मौके पर दीपक श्रीवास्तव, अशोक कुमार, उमेश दीक्षित, डॉ. ब्रजेंद्र दुबे, जितेंद्र सिंह गुर्जर, राजीव माहेश्वरी, शिवशंकर सिंह चौहान, विजय द्विवेदी सिंटू महाराज पुजारी ब्रजेश महाराज आदि रहे।

अनियमितता, घटिया निर्माण एवं अपूर्ण कार्यों को लेकर की गई शिकायत के निस्तारण पर खड़े हुए सवाल

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। ग्राम पंचायत कुठौंदा बुजुर्ग में विभिन्न विकास कार्यों में वित्तीय अनियमितता, घटिया निर्माण एवं अपूर्ण कार्यों को लेकर की गई शिकायत के निस्तारण पर सवाल उठाए गए हैं। जिला समाज कल्याण अधिकारी (विकास) द्वारा शिकायतकर्ता को अवगत कराया गया है कि संबंधित सचिव द्वारा आवश्यक अभिलेख उपलब्ध न कराए जाने से जांच आख्या लंबित है।

पत्र में शिकायत संदर्भ संख्या 40016526015373 दिनांक एक अगस्त 2026 का उल्लेख करते हुए बताया गया है कि कुठौंदा बुजुर्ग निवासी शिकायतकर्ता गजेंद्र सिंह सेंगर द्वारा गांव में विकास कार्यों में वित्तीय अनियमितता, घटिया निर्माण एवं अपूर्ण कार्यों की शिकायत की गई थी। पत्र के माध्यम से शिकायतकर्ता को अवगत कराया गया है कि संबंधित सचिव से अभिलेख मांगे गए हैं लेकिन अभी तक सचिव द्वारा अभिलेख उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। शिकायतकर्ता ने प्रकरण में डीएम से शिकायत करते हुए मांग की है कि शिकायत को पुन: जांच की जाए और आवश्यक अभिलेख प्राप्त कर निष्पक्ष एवं पूर्ण जांच की जाए।

प्रदेश सरकार द्वारा रसोइयों का मानदेय बढ़ाने पर चेहरे खिल उठे रसोइयों को कैशलेस चिकित्सा कार्ड कराये उपलब्ध

(यंग भारत न्यूज)

कालपी जालौन 23 अगस्त। तहसील सभागार में रविवार को पीएम पोषण योजना के अंतर्गत रसोइया सम्मान समारोह एवं कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम में पालिकाध्यक्ष अरविंद यादव ने रसोइयों को कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरित किए शासन की ओर से रसोइयों के मानदेय में वृद्धि किए जाने की जानकारी पर उनके चेहरे खिल उठे कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पालिकाध्यक्ष अरविंद यादव ने कहा कि विद्यालयों में बच्चों को पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने में रसोइयों की भूमिका अहम है वह पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन कर रही हैं सरकार ने मानदेय में वृद्धि के साथ कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराकर रसोइयों के हित में महत्वपूर्ण कदम उठाया है इससे उन्हें उपचार के समय आर्थिक परेशानी से राहत मिलेगी उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना प्राथमिकता है उपजिलाधिकारी विनय कुमार मौर्य ने कहा कि सरकार की योजनाएं तभी सार्थक होती हैं, जब उनका लाभ पात्र लोगों तक समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पहुंचे रसोइयों को कैशलेस चिकित्सा कार्ड मिलने से उन्हें गंभीर बीमारी अथवा आकस्मिक स्वास्थ्य समस्या की स्थिति में उपचार कराने में सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि पीएम पोषण योजना बच्चों के स्वास्थ्य और शिक्षा से सीधे जुड़ी है। इसमें रसोइयों का योगदान महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी रसोइयों से अपनी जिम्मेदारियों का इसी तरह ईमानदारी से निर्वहन करने का आह्वान किया तहसीलदार श्रीश मिश्रा ने कहा कि शासन की ओर से रसोइयों के हित में किए जा रहे प्रयास उनके सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण हैं खंड शिक्षा अधिकारी रंगनाथ चौधरी ने पीएम पोषण योजना के संचालन में रसोइयों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए उन्हें शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया कार्यक्रम के दौरान रसोइयों को सम्मानित करने के साथ कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरित किए गए। वक्ताओं ने कहा कि सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने और पात्र लाभार्थियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए विभागीय स्तर पर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इस अवसर पर पालिका एवं तहसील प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी, शिक्षा विभाग के अधिकारी, रसोइयां, महिलाएं तथा नगर के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

रसोइयों के बढ़े वेतनमान का लाभ दिलाने और विभिन्न योजनाओं की जानकारी के लिए बैठक का आयोजन

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई । तहसील परिसर में रसोइयों के बढ़े वेतनमान का लाभ दिलाने और विभिन्न योजनाओं की जानकारी के लिए बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संबोधन का लाइव प्रसारण भी दिखाया गया।

पीएम पोषण योजना के तहत बेसिक विद्यालयों में कार्यरत रसोइयों के मानदेय में वृद्धि और कैशलेश चिकित्सा सुविधा का लाभ देने की घोषण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा की गई थी। रविवार को तहसील सभागार में आयोजित कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख रामराजा निरंजन, एसडीएम राकेश सोनी, पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि पुनीत मित्तल और बीईओ ज्ञान प्रकाश अवस्थी रसोइयों को प्रतीकात्मक रूप से तीन हजार रुपये की चेक और आयुष्मान कार्ड प्रदान किए। ब्लॉक प्रमुख रामराजा निरंजन ने कहा कि बेसिक विद्यालयों में बच्चों के लिए भोजन तैयार करने में रसोइयों की महत्वपूर्ण भूमिका है। सीमित मानदेय में भी वे प्रतिदिन पूरी जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन कर रही हैं। मानदेय बढ़ाए जाने और सामाजिक सुरक्षा का लाभ मिलने से उन्हें राहत मिलेगी। एसडीएम राकेश सोनी ने रसोइयों और शिक्षकों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि विद्यालयों की व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से संचालित करने में रसोइयों का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि बच्चों को समय से पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने में रसोइयां लगातार मेहनत करती हैं। कार्यक्रम का संचालन नोडल शिक्षक आलोक खरे और एआरपी शिवकुमार राठौर ने किया। इस मौके पर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष विद्यासागर मिश्रा, भूरी देवी, समीउल्ला आदि रहे।

मौजूद भक्त गण सुंदर कांड सुनकर हुए भाव विभोर

(यंग भारत न्यूज)

कालपी जालौन 23 अगस्त। बाजार में पवन एंड संस प्रतिष्ठान पर सुंदरकांड कलाकारों ने व्यापार मंडल अध्यक्ष कमेटी की उपस्थिति तथा भक्तगणों की मौजूदगी में सुंदरकांड का आयोजन किया गया उक्त सुंदर कांड में जय जयकारों की गूंज से नगरी चहुओर सुशोभित नजर आई।

टरननगंज स्थित बाजार मार्केट में नमन की प्रतिष्ठा पर शनिवार की देर शाम विद्वान पंडित के द्वारा मौजूद व्यापार मंडल अध्यक्ष नमन अग्रवाल एवं कमेटी तथा परिजनों की उपस्थिति में गोस्वामी तुलसीदास रचित रामायण में सुंदरकांड का वाचक एसपी सिंह अपने साथियों के साथ अपनी मधुर वाणी सुंदरकांड बड़े धूमधाम से सर्वाधिक संख्या में मौजूद भक्तों उपस्थिति में आयोजित किया गया आए हुए भक्तों ने सुंदरकांड दरबार में माथा टेक कर स्वयं तथा परिवार की खुशहाली हेतु पुरजोर आशीर्वाद मांगा आयोजित कार्यक्रम में भगवान राम तथा हनुमान लला की गूंज से मौजूद भक्त भाव विभोर हुए मौजूद भक्तों में श्याम पैलेस गेस्ट हाउस के प्रबंधक संदीप गुप्ता वरिष्ठ गल्ला व्यापारी अखिलेश गुप्ता लाला व्यापार मंडल उपाध्यक्ष अमित गुप्ता रिंकू कोषाध्यक्ष कृष्ण कुमार गुप्ता समीर धवन हर्ष धवन छुन्नन साहू अखिलेश द्विवेदी राजेश चौरसिया सभासद सुनील पटवा आदि लोग भक्तगण मौजूद थे।

श्रीलंका के खिलाफ दूसरा और अंतिम टेस्ट मैच आज सुबह 10 बजे से

3 साल बाद विदेशी जमीन पर सीरीज जीतने उतरेगा भारत

कोलंबो

पहले टेस्ट मैच में बड़ी जीत से उत्साहित भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ रविवार से शुरू होने वाले दूसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच में अपना विजय अभियान जारी रखकर विदेशी धरती पर 3 साल में पहली टेस्ट श्रृंखला जीतने की कोशिश करेगी जबकि कप्तान शुभमन गिल और सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की निगाह बड़ा स्कोर बनाने पर होगी।

2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ जीती थी सीरीज

भारत ने विदेश में अपनी आखिरी टेस्ट श्रृंखला जुलाई 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ जीती थी। उसके बाद से भारत को ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा जबकि उसने दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के साथ उनके घरेलू मैदान पर श्रृंखला बराबर की थी। इस बीच उसे न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका से घरेलू धरती पर हार का सामना करना पड़ा था। लेकिन अब भारत ने गॉल में खेले गए पहले टेस्ट में 165 रन की शानदार जीत के साथ कुछ हद तक वापसी की है, जिससे कप्तान गिल और मुख्य कोच गौतम गंभीर को राहत मिली होगी।

कप्तान के रूप में गिल का प्रदर्शन शानदार

भारत को इस मैच में गिल और जायसवाल से बड़ी पारी की उम्मीद रहेगी। गिल अच्छी फॉर्म में नजर आ रहे हैं। उन्होंने अपनी पिछली छह पारियों में दो शतक बनाए हैं। लेकिन पिछले मैच में उनका बल्ला नहीं चल पाया था। उन्हें विशेषकर बाएं हाथ के स्पिनर के सामने दिक्कत हो रही है। गॉल में दोनों पारियों में उन्हें बाएं हाथ के स्पिनर प्रभात जयसूर्या ने आउट किया। इसके अलावा कप्तान के रूप में उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। गिल ने कप्तानी संभालने के बाद 10 टेस्ट मैचों में 75 से अधिक के औसत से 1200 रन बनाए हैं। वह कप्तान के रूप में विदेश में अपनी पहली टेस्ट श्रृंखला जीतने के लिए भी प्रतिबद्ध होंगे।

डब्ल्यूटीसी रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंचने की उम्मीद

भारत अगर इस श्रृंखला में 2-0 से क्लीन स्वीप कर लेता है, तो वह 57.78 प्रतिशत अंकों के साथ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंच सकता है। लेकिन यह बांग्लादेश की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में हार पर ही संभव हो पाएगा। डार्विन में पहले टेस्ट में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने वाला बांग्लादेश अभी चौथे स्थान पर है।

सारांश को मिल सकता है पदार्पण का मौका

इस पर भी सब की नजर रहेगी कि कुलदीप यादव अंतिम एकादश में जगह बना पाते हैं या नहीं। पहले मैच में पिच से काफी मदद मिलने के बावजूद उन्होंने दो पारियों में 25 ओवरों में सिर्फ एक विकेट लिया था। कुलदीप पहले टेस्ट मैच में गेंदबाजों में सबसे महंगे साबित हुए, उन्होंने प्रति ओवर चार से अधिक रन लुटाए। श्रीलंका की टीम में बाएं हाथ के अधिक बल्लेबाजों को देखते हुए ऑफ स्पिनर सारांश जैन को पदार्पण का मौका मिल सकता है। लेकिन सिर्फ एक मैच के बाद किसी सीनियर गेंदबाज को टीम से बाहर करना गलत संकेत दे सकता है।

श्रीलंका टीम में सकारात्मक बदलाव

श्रीलंका को अगर श्रृंखला में वापसी करनी है तो उसके शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों को धैर्य के साथ खेलना होगा। उन्हें उम्मीद होगी कि शानदार फॉर्म में चल रहे कामिल मिशारा और साहन अरच्चिगे को टीम में शामिल करने से सकारात्मक बदलाव आएगा।

मैच का समय : सुबह 10 बजे

सिनसिनाटी ओपन

सेमीफाइनल में पहुंची कोको गॉफ

मेसन

कोको गॉफ ने नंबर 10 सीड मार्टा कोस्त्युक को 6-2, 6-2 से हराकर सिनसिनाटी ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। वह ओपन एरा में 23 साल की उम्र से पहले सिनसिनाटी ओपन सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चौथी खिलाड़ी भी बन गई हैं। कोको गॉफ ने मार्टा कोस्त्युक को आसानी से हरा दिया। मुकाबले के दौरान गॉफ का दबदबा देखने को मिला। उन्होंने अलग-अलग तरह के शॉट चुने और टूर पर किसी से भी बेहतर कोर्ट कवर किया। सेमीफाइनल में कोको गॉफ का सामना सारा बेजलेक से होगा।

बेजलेक ने मैडिसन कीज को दी मात

सारा बेजलेक ने एक सेट से पिछड़ने के बाद और आखिर में तीसरे सेट के टाईब्रेक में 4-2 से पिछड़ने के बाद पूर्व ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन मैडिसन कीज को 3-6, 6-4, 7-6 (5) से हराकर सेमीफाइनल में पहुंची हैं। बेजलेक ने फरवरी में अबू धाबी ओपन में क्वालीफायर के तौर पर अपना पहला डब्ल्यूटीए टूर टाइटल जीता था। बेजलेक की अब तक की शानदार जीत में उनकी हमवतन कैरोलिना प्लिसकोवा और बारबोरा क्रेजसिकोवा भी शामिल हैं, जो सबालेंका और कीज के साथ पहले डब्ल्यूटीए 1000 चैंपियन बन चुकी हैं। 2009 के बाद से, बेजलेक डब्ल्यूटीए 1000 सेमीफाइनल तक पहुंचने के रास्ते में ऐसी चार खिलाड़ियों को हराने वाली सिर्फ दूसरी खिलाड़ी हैं, इससे पहले प्लिसकोवा ने आठ साल पहले मैड्रिड में ऐसा किया था।

टियाफो-नाकाशीमा ने कटाया सेमीफाइनल का टिकट

टियाफो ने इटली लोरेंजो मुसेटी को 7-6 (2), 7-5 से और नाकाशीमा ने हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी टेलर फ्रिट्ज को 7-6, 4-6, 6-3 से हराया। अंतिम चार में वह दोनों खिलाड़ी आमने-सामने होंगे। यह 2000 के बाद पहला अवसर है जबकि अमेरिका के दो खिलाड़ी पुरुष एकल के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। पुरुष एकल के दूसरे सेमीफाइनल में इटली के फ्लेवियो कोबोली का मुकाबला फ्रांस के आर्थर फिल्स से होगा।

खबर संक्षेप

एडवेंटहेल्थ गोल्फ चैंपियनशिप संयुक्त बढ़त पर रेहान

कंसास सिटी। दुबई में जन्मे भारतीय गोल्फर रेहान थॉमस ने पहले राउंड में 64 का स्कोर बनाने के बाद अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए दूसरे राउंड में सात अंडर 65 का स्कोर बनाया, जिससे उन्होंने एडवेंटहेल्थ गोल्फ चैंपियनशिप में 7 खिलाड़ियों के साथ संयुक्त बढ़त हासिल कर ली। थॉमस दो राउंड के बाद 15-अंडर के स्कोर के साथ टेलर डिक्सन, जोसेफ ब्रैमलेट, डेविस शोर, जॉन मार्शल बटलर, क्रिस फ्रैंकोयर और पहले राउंड में शीर्ष पर रहने वाले एंड्रयू कोजान के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं। थॉमस ने दसवें होल पर दो बर्डी के साथ शुरुआत की लेकिन उन्होंने 12वें होल में बोगी कर दी। उन्होंने 13वें होल पर ईगल लगाया जबकि 16वें होल पर बोगी करने बाद अगले दो होल पर बर्डी बनाई। थॉमस ने दूसरे होल पर एक शॉट गंवाया, लेकिन तीसरे होल पर बर्डी लगाई। इसके बाद उन्होंने पांचवें से सातवें होल तक लगातार तीन बर्डी लगाईं। इस तरह से उन्होंने आठ बर्डी और एक ईगल के अलावा तीन बोगी की।

नेक्सो चैंपियनशिपः शुभंकर ने कट में बनाई जगह

एबरडीनशायर। भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा ने पिछली चार प्रतियोगिताओं में कट से चूकने बाद नेक्सो चैंपियनशिप के अंतिम दो राउंड में जगह बनाकर यह सिलसिला तोड़ दिया। उन्होंने दूसरे राउंड में इवन-पार का स्कोर बनाया। इस दौरान उन्होंने छठे होल में होल इन वन (पहले शॉट में गेंद को होल में डालना) के साथ दिन का सबसे बेहतरीन शॉट लगाया। पहले राउंड में 73 का स्कोर बनाने वाले शुभंकर ने दूसरे दौर में 72 का स्कोर बनाया। इस तरह से 36 होल के बाद उनका कुल स्कोर एक ओवर 145 हो गया है और वह 22वें स्थान पर हैं।

प्रीमियर लीग : डिफेंडिंग चैंपियन आर्सेनल का विजयी आगाज

लंदन

आर्सेनल ने एमिरेट्स स्टेडियम में प्रमोटेड कोवेंट्री सिटी को 3-0 से हराकर अपने प्रीमियर लीग खिताब को डिफेंड करने की शानदार शुरुआत की। आर्सेनल की सामरिक रणनीति में सबसे उल्लेखनीय बात नए खिलाड़ियों का शानदार तालमेल है। क्रिस्टोस त्जोलिस ने लगातार आक्रमक करते हुए बाएं विंग पर अपनी काबिलियत साबित कर दी, जिससे विरोधी टीमों के डिफेंस सतर्क हो गए।

ग्रीक खिलाड़ी ने शुरुआती दो गोलों में अहम योगदान दिया। खास तौर पर, उनके खतरनाक क्रास ने गोलकीपर रशवर्थ को मुश्किल बचाव करने पर मजबूर कर दिया, जिससे बुकायो साका को बढ़त को दोगुना करने का शानदार मौका मिल गया। मिकेल आर्टेटा और उनके खिलाड़ियों ने फ्रैंक लैम्पार्ड की कोवेंट्री टीम पर आसानी से अपना दबदबा बना लिया।

आर्सेनल ने कोवेंट्री सिटी को 3-0 से दी मात

मैनेजर मिकेल आर्टेटा की लीग में 150 जीत

कप्तान मार्टिन ओडेगार्ड ने खेल में लय और गति को व्यवस्थित करने में अहम भूमिका निभाई। नोनी मादुएके/विक्टर ग्योकेरेस के उस गोल ने, जिससे दूसरे हाफ की शुरुआत में ही 3-0 की जीत सुनिश्चित कर दी, टीम की लगातार उच्च दबाव वाला खेल बनाए रखने की क्षमता का स्पष्ट प्रमाण दिया। मैनेजर मिकेल आर्टेटा लीग में 150 जीत हासिल कर ली है। उन्होंने पेप गार्डियोला व सर एलेक्स फर्ग्यूसन जैसे शीर्ष रणनीतिकारों की बराबरी कर ली है। वह पेप गार्डियोला (204 मैच), जोस मोरिन्हो (231), जुर्गन क्लॉप (237) और सर एलेक्स फर्ग्यूसन (247) के बाद 250 से कम मैचों में यह मुकाम हासिल करने वाले सिर्फ पांच मैनेजरों में से एक बन गए।

बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप

मेडल का रंग बदलने से चूकी त्रिसा-गायत्री

नई दिल्ली

बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी को ब्रॉन्ज मेडल से संतोष करना पड़ा है।

विमेंस डबल्स के सेमीफाइनल मुकाबले में शनिवार को भारतीय जोड़ी को चीन की ल्यू शेंगशू और तान निंग के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। 71 मिनट तक चले सेमीफाइनल मुकाबले में चीनी जोड़ी ने त्रिशा-गायत्री को 18-21, 21-13, 21-8 से शिकस्त देते हुए फाइनल का टिकट हासिल किया। इस हार के साथ ही त्रिशा और गायत्री की जोड़ी विमेंस डबल्स के फाइनल में पहुंचने वाली पहली गैर वरीयता प्राप्त जोड़ी बनने की उपलब्धि हासिल करने से भी चूक गई। त्रिशा और गायत्री की हार के साथ ही भारत का टूर्नामेंट में सफर भी समाप्त हो गया है। भारतीय टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा और देश की झोली में सिर्फ एक ब्रॉन्ज मेडल आया।

त्रिशा-गायत्री ने चीनी जोड़ी को दी कड़ी टक्कर

सेमीफाइनल मुकाबले की शुरुआत त्रिशा और गायत्री की जोड़ी ने शानदार अंदाज में की। त्रिशा-गायत्री ने चीनी जोड़ी को लगातार कड़ी टक्कर दी और 7-2 की बढ़त बना ली। हालांकि, इसके बाद ल्यू शेंगशू और तान निंग की जोड़ी ने वापसी की और 9 प्वाइंट हासिल करते हुए स्कोर तक स्कोर को 11-7 से अपने पक्ष में कर लिया। मगर, भारतीय जोड़ी ने एक बार फिर वापसी किया और गेम को 21-18 से अपने नाम कर लिया।

कुश्ती : मानसी ने जीता सिल्वर, तन्वी और कोमल को कांस्य

समोकोव (बुल्गारिया)। मानसी लाठेर ने अंडर-20 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में रजत पदक जीता जबकि तन्वी मगदूम और कोमल ने कांस्य पदक हासिल किए। मानसी को 68 किलोग्राम वर्ग के स्वर्ण पदक मुकाबले में चीन की योनलिंग सोंग के हाथों 1-2 से करीबी हार का सामना करना पड़ा। तन्वी ने 57 किलोग्राम वर्ग के कांस्य पदक के मुकाबले में कनाडा की एमिलिया क्राकोव्स्का को 10-4 से हराया, जबकि कोमल ने 59 किलोग्राम वर्ग में हंगरी की एडा बालाज पर 5-2 की शानदार जीत दर्ज कर कांस्य पदक जीता।

अंडर-20 वर्ल्ड कुश्ती प्रतियोगिता

भारत की महिला टीम ओवरऑल दूसरा स्थान पर

हरियाणा की पहलवानों ने 5 पदक कब्जाए

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

- पहलवानों ने 1 स्वर्ण, 4 रजत और 2 कांस्य अपने नाम किए

अंडर-20 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में भारतीय महिला कुश्ती टीम ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल दूसरा स्थान हासिल किया है। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में देश के अलग-अलग राज्यों और जिलों से ताल्लुक रखने वाली महिला पहलवानों ने कुल 6 शानदार पदक (1 स्वर्ण, 4 रजत और 2 कांस्य) अपने नाम किए हैं, जिससे पूरे देश में जश्न का माहौल है। इसमें पांच हरियाणा की पहलवानों ने पदक जीते। अंडर-20 विश्व चैंपियनशिप में दो स्वर्ण पदक जीतने वाली दूसरी भारतीय महिला पहलवान बनीं सोनीपत काजल ढोचक ने 76 किग्रा भार वर्ग के फाइनल मुकाबले में चीन की जियाक सन को 7-0 से करारी शिकस्त देकर देश के लिए स्वर्ण पदक जीता। जींद पहलवान मानसी लाठर ने 68 किग्रा वर्ग में शानदार दांवपेंच दिखाते हुए फाइनल तक का सफर तय किया, हालांकि खिताबी मुकाबले में उन्हें चीन की योनलिंग सोंग के खिलाफ 1-2 से करीबी हार का सामना करना पड़ा और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। हांसी की तनु शर्मा ने 72 किग्रा वर्ग में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए फाइनल मुकाबले में जापान की मिसाकी योशिदा को कड़ी टक्कर दी, लेकिन वह 3-5 से मुकाबला हारकर रजत पदक अपने नाम करने में सफल रहीं। रोहतक की सविता ने 62 किग्रा वर्ग में फाइनल में जगह बनाई, जहां उन्हें जापान की साकुरा ओनीशी के खिलाफ हार के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। महाराष्ट्र की तान्वी गुंदेश मगदूम ने 57 किग्रा वर्ग के कांस्य पदक प्लेऑफ मुकाबले में कनाडा की अमिलिया क्राकोव्स्का को 10-4 के बड़े अंतर से हराकर पोडियम पर अपनी जगह पक्की की। वहीं, पानीपत की कोमल ने 59 किग्रा वर्ग में अपने दमदार खेल का प्रदर्शन करते हुए हंगरी की एडा बालाज को 5-2 से मात देकर देश के लिए कांस्य पदक हासिल किया। भारतीय महिला खिलाड़ियों के इस शानदार प्रदर्शन से कुश्ती जगत में भारत का मान और बढ़ गया है।

नीरज दूसरे स्थान पर रहे, पथिरागे ने लुसाने डायमंड लीग में खिताब जीता

लुसाने

भारतीय भाला फेंक के दिग्गज खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने एक साल से अधिक समय में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, लेकिन शुक्रवार को यहां लुसाने डायमंड लीग में श्रीलंका के उभरते सितारे रुमेश पथिरागे ने सिर्फ दो सेंटीमीटर के अंतर से उन्हें स्वर्ण पदक से वंचित कर दिया। चोपड़ा ने अपने दूसरे प्रयास में 88.05 मीटर का थ्रो किया, जो उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। इससे यह 28 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी भी खिलाड़ियों के मुकाबले में दूसरे स्थान पर रहा। यह इस सत्र का उनका सर्वश्रेष्ठ थ्रो भी था। दरअसल चोपड़ा का यह पिछले साल जून के बाद सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। उन्होंने तब पेरिस डायमंड लीग जीतने के दौरान 88.16 मीटर का थ्रो किया था। लेकिन 23 वर्षीय पथिरागे ने इस सत्र में अपना दबदबा बरकरार रखते हुए अपने तीसरे प्रयास में 88.14 मीटर के थ्रो के साथ चोपड़ा को पीछे छोड़ दिया। चोपड़ा ने हालांकि दूसरे स्थान पर रहकर डायमंड लीग फाइनल के लिए क्वालीफाई करने की अपनी उम्मीदों को मजबूती प्रदान की। वह सत्र के आखिर में होने वाले डायमंड लीग फाइनल्स की रैंकिंग में सातवें स्थान से आगे बढ़कर शीर्ष पांच में पहुंच गए हैं।

ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स ने अपने छठे और अंतिम प्रयास में 86.69 मीटर की दूरी तय करके तीसरा स्थान हासिल किया। त्रिनिदाद और टोबैगो के मौजूदा विश्व चैंपियन केशोर्न वालकॉट 85.71 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ चौथे स्थान पर रहे। विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता अमेरिका के कर्टिस थॉम्पसन 79.13 मीटर के साथ छठे स्थान पर रहे, जबकि टोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता चेक गणराज्य के जैकब वाडलेज ने 77.32 मीटर के साथ सातवां स्थान हासिल किया। चोपड़ा ने बाद में कहा कि शीर्ष स्थान के लिए उनके और पथिरागे के बीच कड़ी टक्कर थी।

हॉकी विश्वकप : सेमीफाइनल की उम्मीदें जिंदा रखने उतरेगी भारतीय महिला टीम

कंगारुओं के खिलाफ आर-पार का महामुकाबला आज

एम्सटेलवीन

ओलंपिक और विश्व चैंपियन नीदरलैंड से पिछले मैच में अच्छे प्रदर्शन के बावजूद पराजय का सामना करने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम को अब सेमीफाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए रविवार को आस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले को 'क्वार्टर फाइनल' की तरह खेलना होगा।

दूसरे दौर के पहले मुकाबले में भारत को दुनिया की नंबर एक टीम नीदरलैंड ने शुक्रवार को 2-0 से हराया, जो इस विश्व कप में उसकी पहली हार थी। डिफेंस और खासकर गोलकीपरों ने शानदार प्रदर्शन किया वरना सह मेजबान टीम की जीत का अंतर और अधिक हो सकता था।

भारत के पास एक अंक

वह प्रारूप ही ऐसा है कि भारत को जीत से नहीं चलेगा है क्योंकि पहले दौर में दोनों के बीच मुकाबला ड्रॉ हुआ है और उसके ड्रॉ रहने से भारत के पास एक अंक है। नीदरलैंड भी पूल ए में आस्ट्रेलिया को हराने से तीन अंक लेकर दूसरे दौर में पहुंचा है यानी उसके पास अब छह मैचों के छह अंक हैं। चीन और आस्ट्रेलिया का मैच ड्रॉ रहा है, जिससे चीन के दो और आस्ट्रेलिया का एक अंक है। नीदरलैंड अगर चीन को हरा देता है या ड्रॉ खेलता है तो आस्ट्रेलिया को हराने पर भारत सेमीफाइनल में पहुंच जाएगा। वहीं चीन के हारने और भारत और आस्ट्रेलिया का मैच ड्रॉ रहने पर गोल औसत के आधार पर फैसला होगा।

टीम इंडिया का औसत माइनस दो

चीन ने अब तक तीन गोल गंवाए और तीन किए हैं, जिससे गोल औसत शून्य है जबकि भारत ने दो गोल किए और चार गंवाए हैं, जिससे औसत माइनस दो है और आस्ट्रेलिया ने तीन गोल किए जबकि पांच गंवाए हैं, जिससे उसका भी औसत माइनस दो है। ऐसे में भारत को चीन के बड़े अंतर से हारने की भी दुआ करनी होगी।

11 खिलाड़ी पहली बार खेल रहीं विश्व कप

भारत की 11 खिलाड़ियों का यह पहला विश्व कप है, जिसे देखते हुए अब तक के प्रदर्शन को संतोषजनक कहा जा सकता है। पहले ही मैच में चीन जैसी दिग्गज टीम को ड्रॉ पर रोककर ही इस टीम ने संकेत दे दिए थे कि वह टूर्नामेंट में सिर्फ भागीदारी के लिए नहीं आई है। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका पर 6-1 से जीत दर्ज की और इंग्लैंड को आखिरी मैच में गोलरहित ड्रॉ पर रोककर दूसरे दौर में जगह बनाई।

दोस्त या रिश्तेदार की मदद पड़ेगी भारी

लोन में गारंटर बनने के कई नुकसान

बिजनेस डेस्क

दोस्त, रिश्तेदार या करीबी व्यक्ति मुश्किल समय में आर्थिक मदद मांगता है तो मना करना आसान नहीं होता। कई बार व्यक्ति खुद लोन लेने की स्थिति में होता है, लेकिन बैंक की शर्तों के कारण उसे गारंटर की जरूरत पड़ती है। ऐसे में भावनात्मक रिश्ते के कारण लोग बिना पूरी जानकारी लिए लोन गारंटर बनने के लिए तैयार हो जाते हैं, लेकिन गारंटर बनना महज एक औपचारिकता नहीं है। इसका अर्थ है कि यदि मुख्य उधारकर्ता अपनी देनदारी पूरी नहीं करता, तो गारंटी की शर्तों के अनुसार बैंक आपसे भी बकाया रकम की वसूली कर सकता है। इसलिए किसी के लोन की गारंटी देने से पहले यह समझना जरूरी है कि इससे आपके क्रेडिट रिकॉर्ड, भविष्य में लोन लेने की क्षमता और व्यक्तिगत वित्त पर क्या असर पड़ सकता है।

गारंटर बनने का मतलब क्या

लोन में गारंटर वह व्यक्ति होता है जो बैंक या वित्तीय संस्थान को यह आश्वासन देता है कि यदि मुख्य उधारकर्ता अपनी जिम्मेदारी पूरी नहीं करता तो लागू गारंटी की शर्तों के अनुसार वह देनदारी पूरी करेगा। इसलिए किसी दस्तावेज पर सिर्फ इसलिए हस्ताक्षर नहीं करने चाहिए कि सामने वाला दोस्त या रिश्तेदार है। हस्ताक्षर करने से पहले यह समझना जरूरी है कि आप किस रकम, किस अवधि और किन शर्तों के लिए गारंटी दे रहे हैं।

गारंटर बनते ही क्रेडिट स्कोर घटता है

नहीं, केवल गारंटर बनने से आपके क्रेडिट स्कोर खराब होना जरूरी नहीं है। अगर मुख्य उधारकर्ता समय पर ईएमआई चुका रहा है और लोन खाते में कोई डिफॉल्ट नहीं हो रहा है, तो सामान्य तौर पर केवल गारंटर होने की वजह से आपके क्रेडिट रिकॉर्ड पर नकारात्मक असर नहीं पड़ता। लेकिन समस्या तब शुरू हो सकती है जब मुख्य उधारकर्ता ईएमआई चुकाने में लगातार चूक करता है। ऐसी स्थिति में लोन खाते से जुड़ी डिफॉल्ट जानकारी गारंटर के क्रेडिट प्रोफाइल को भी प्रभावित कर सकती है। लगातार भुगतान में चूक होने से भविष्य में आपकी क्रेडिट हिस्ट्री पर नकारात्मक असर पड़ने का जोखिम बढ़ सकता है। इसलिए गारंटर बनने के बाद भी लोन की स्थिति पर नजर रखना जरूरी है।

बड़ा खतरा : कर्ज चुकाने की जिम्मेदारी

गारंटर बनने का सबसे महत्वपूर्ण जोखिम आर्थिक है। यदि मुख्य उधारकर्ता लोन की किस्तें नहीं चुका पाता है तो बैंक या वित्तीय संस्थान गारंटी समझौते की शर्तों के अनुसार गारंटर से भी बकाया रकम की वसूली कर सकता है। यानी जिस लोन का पैसा आपने लिया ही नहीं, उसकी जिम्मेदारी कुछ परिस्थितियों में आपके ऊपर भी आ सकती है। यही वजह है कि गारंटर बनने से पहले यह सवाल खुद से जरूर पूछें। अगर सामने वाला व्यक्ति कल से ईएमआई देना बंद कर दे तो क्या मैं इस लोन की जिम्मेदारी संभाल सकता हूं? अगर इसका जवाब 'नहीं' है तो केवल रिश्ते या दबाव के कारण में गारंटर बनना जोखिम भरा हो सकता है।

लोन लेने में आ सकती है दिक्कत

गारंटर बनने का असर केवल क्रेडिट स्कोर तक सीमित नहीं है। जब आप भविष्य में होम लोन, कार लोन या कोई अन्य बड़ा कर्ज लेने के लिए आवेदन करते हैं, तो बैंक आपकी मौजूदा वित्तीय जिम्मेदारियों और क्रेडिट प्रोफाइल का आकलन कर सकता है। जिस लोन के आप गारंटर हैं, वह आपकी वित्तीय प्रोफाइल के आकलन में महत्वपूर्ण हो सकता है। खासकर यदि उस लोन में भुगतान संबंधी समस्या रही हो तो आपके लिए नया कर्ज लेना कठिन हो सकता है या बैंक अतिरिक्त जांच कर सकता है।

रिश्तेदार है तो भी पहले जांच करें

गारंटर बनने से पहले केवल रिश्ते को आधार न बनाएं। यह जानना जरूरी है कि जिस व्यक्ति के लोन की गारंटी आप दे रहे हैं, उसकी आय कितनी है, उसकी मौजूदा ईएमआई कितनी है और उस पर पहले से कितना कर्ज है। यह भी देखें कि उसकी नौकरी या कारोबार कितना स्थिर है। यदि उसकी आय अनियमित है या पहले से कई कर्ज चल रहे हों तो गारंटर बनना अधिक जोखिम भरा हो सकता है।

दस्तावेज पढ़े बिना न करें हस्ताक्षर

गारंटी दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने से पहले बैंक से स्पष्ट रूप से पूछें कि आपकी जिम्मेदारी की सीमा क्या है। क्या गारंटी केवल मूल रकम तक सीमित है या इसमें ब्याज, शुल्क और अन्य देनदारियां भी शामिल हो सकती हैं? यह जानकारी दस्तावेज की शर्तों से ही स्पष्ट होगी। इसलिए किसी बैंक कर्मचारी, एजेंट या परिचित के कहने मात्र पर दस्तावेज पर हस्ताक्षर न करें। जरूरत हो तो स्वतंत्र वित्तीय या कानूनी सलाह भी ली जा सकती है।

ईएमआई की जानकारी लेते रहें

अगर आपने किसी के लोन की गारंटी दी है तो यह मानकर न चलें कि अब आपकी कोई भूमिका नहीं है। मुख्य उधारकर्ता से समय-समय पर ईएमआई भुगतान की स्थिति की जानकारी लेते रहें। किसी भुगतान में देरी की जानकारी मिले तो समस्या बढ़ने से पहले उधारकर्ता से बात करें। शुरुआती स्तर पर समस्या का समाधान करना लंबे समय तक चलने वाले डिफॉल्ट से बेहतर है।

दोस्ती और पैसा, दोनों को अलग रखें

किसी करीबी की मदद करना अच्छी बात है, लेकिन मदद का अर्थ अपनी आर्थिक सुरक्षा को जोखिम में डालना नहीं होना चाहिए। यदि आपको लगता है कि सामने वाला लोन चुकाने की स्थिति में नहीं है तो गारंटर बनने के बजाय अपनी क्षमता के अनुसार सीमित आर्थिक सहायता करना ज्यादा सुरक्षित विकल्प हो सकता है।

फैसला लेने से पहले ये जरूर पूछें

- » क्या मैं इस व्यक्ति की आय और मौजूदा कर्ज को समझता हूं?
- » अगर यह ईएमआई नहीं चुका पाया तो क्या मैं संभावित वित्तीय जिम्मेदारी उठा सकता हूं?
- » क्या मैंने गारंटी दस्तावेज की सभी शर्तें पढ़ी हैं?
- » क्या भविष्य में मुझे खुद होम, कार या किसी दूसरे बड़े लोन की जरूरत पड़ सकती है?

मदद करें, लेकिन जोखिम समझकर

लोन गारंटर बनना दोस्त या रिश्तेदार की मदद करने का एक तरीका हो सकता है, लेकिन इससे वित्तीय जोखिम भी जुड़ा है। समय पर ईएमआई जमा होने पर समस्या नहीं आती, लेकिन मुख्य उधारकर्ता के डिफॉल्ट की स्थिति में गारंटर की क्रेडिट प्रोफाइल और आर्थिक स्थिति प्रभावित हो सकती है। इसलिए गारंटर बनने से पहले भावनात्मक रिश्ते से ज्यादा महत्वपूर्ण अपनी भुगतान क्षमता, दस्तावेज की शर्तों और भविष्य की वित्तीय जरूरतों को समझना है। किसी की मदद जरूर करें, लेकिन ऐसा कोई कदम न उठाएं जो बाद में आपके ही परिवार की आर्थिक सुरक्षा को मुश्किल में डाल दे।

दस साल में चार लार्ज एंड मिड कैप फंड ने दिया शानदार रिटर्न

10 वर्ष में 4 लार्ज एंड मिड कैप फंड ने दिया शानदार रिटर्न, हर माह 10000 की एसआईपी से 12 लाख का निवेश 31 लाख से ज्यादा, चारों फंडों ने दिया 18 से 19% तक एक्सआईआरआर

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

लंबी अवधि में संपत्ति बनाने के लिए म्यूचुअल फंड की लार्ज एंड मिड कैप श्रेणी निवेशकों के लिए एक विकल्प हो सकती है। इस श्रेणी के फंड बड़ी और स्थापित कंपनियों के साथ मध्यम आकार की तेजी से बढ़ने वाली कंपनियों में निवेश करते हैं। नियमों के अनुसार, ऐसे फंडों को कम से कम 35 प्रतिशत राशि लार्ज कैप और 35 प्रतिशत मिड कैप कंपनियों में लगानी होती है। इस तरह कम से कम 70 प्रतिशत पोर्टफोलियो देश की बाजार पूंजीकरण के लिहाज से शीर्ष 250 कंपनियों में रहता है। 18 अगस्त 2026 को उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, चार लार्ज एंड मिड कैप फंड ऐसे रहे, जिनमें 10 साल तक हर महीने 10 हजार रुपये की एसआईपी करने पर कुल 12 लाख रुपये का निवेश बढ़कर 31 लाख रुपये से ज्यादा हो गया। इनमें सबसे बेहतर प्रदर्शन इनवेस्को इंडिया लार्ज एंड मिड कैप फंड का रहा, जिसने 19.3 प्रतिशत का एक्सआईआरआर दिया।

इनवेस्को इंडिया लार्ज एंड मिड कैप फंड

इस सूची में इनवेस्को इंडिया लार्ज एंड मिड कैप फंड पहले स्थान पर है। अगस्त 2007 में शुरू हुआ यह फंड पहले इनवेस्को इंडिया ग्रोथ अपॉर्च्युनिटीज फंड के नाम से जाना जाता था। फंड शेयरों का चयन करने के लिए ऊपर से नीचे और नीचे से ऊपर, दोनों तरह की रणनीति का इस्तेमाल करता है। इसमें किसी एक सेक्टर या निवेश शैली पर अत्यधिक निर्भरता नहीं रखी जाती। इस फंड में 10 साल तक हर महीने 10 हजार रुपये की एसआईपी करने पर कुल 12 लाख रुपये का निवेश बढ़कर करीब 33.2 लाख रुपये हो गया। इस आधार पर इसका एक्सआईआरआर 19.3 प्रतिशत रहा। फंड के प्रमुख निवेशों में इटरनल, मैक्स हेल्थकेयर इंस्टीट्यूट, इंटरग्लोब एविएशन, आईसीआईसीआई बैंक और प्रेस्टिज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स शामिल हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, करीब 38.1 प्रतिशत निवेश लार्ज कैप, 35.9 प्रतिशत मिड कैप और 23.1 प्रतिशत स्मॉल कैप कंपनियों में था।

क्वांट लार्ज एंड मिड कैप फंड

दूसरे स्थान पर क्वांट लार्ज एंड मिड कैप फंड रहा। दिसंबर 2006 में शुरू हुआ यह फंड शेयरों के चयन में आंकड़ों पर आधारित रणनीति अपनाता है। फंड हाउस का वीएलआरटी ढांचा कंपनियों के मूल्यांकन, नकदी की उपलब्धता, जोखिम और निवेश के सही समय जैसे पहलुओं को ध्यान में रखता है। 10 साल तक हर महीने 10 हजार रुपये की एसआईपी करने पर कुल 12 लाख रुपये का निवेश बढ़कर करीब 31.3 लाख रुपये हो गया। इसका एक्सआईआरआर 18.3 प्रतिशत रहा। फंड के प्रमुख निवेशों में लॉयड्स मेटल्स एंड एनर्जी, अरबिंदो फार्मा, संवर्धन मदरसन इंटरनेशनल, अडानी एंटरप्राइजेज और अडानी ग्रीन एनर्जी शामिल रहे। पोर्टफोलियो में करीब 38.2 प्रतिशत लार्ज कैप, 33.1 प्रतिशत मिड कैप और 5.2 प्रतिशत स्मॉल कैप में निवेश था।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लार्ज एंड मिड कैप फंड

तीसरे स्थान पर आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लार्ज एंड मिड कैप फंड रहा। जुलाई 1998 में शुरू हुए इस फंड को 2018 में मौजूदा लार्ज एंड मिड कैप श्रेणी के अनुसार पुनर्गठित और नामित किया गया था। इसलिए, 2018 से पहले के प्रदर्शन की मौजूदा रणनीति के साथ सीधे तुलना करना उचित नहीं होगा। 10 साल तक हर महीने 10 हजार रुपये की एसआईपी करने पर 12 लाख रुपये का निवेश बढ़कर करीब 31.1 लाख रुपये हो गया। इसका एक्सआईआरआर 18.1 प्रतिशत रहा। फंड का निवेश बड़ी स्थापित कंपनियों के साथ उभरती कंपनियों में भी है। यह अपेक्षाकृत मजबूत बुनियादी स्थिति वाली और उचित मूल्यांकन वाली कंपनियों पर ध्यान देता है। इसके प्रमुख निवेशों में एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट सर्विसेज, इंटरग्लोब एविएशन, बजाज फिनसर्व, सोना बीएलडब्ल्यू प्रिसिजन फोर्जिंग्स और इंडसइंड बैंक शामिल रहे।

बंधन लार्ज एंड मिड कैप फंड

चौथे स्थान पर बंधन लार्ज एंड मिड कैप फंड रहा। अगस्त 2005 में शुरू हुआ यह फंड पहले बंधन कोर इक्विटी फंड और उससे पहले आईडीएफसी कोर इक्विटी फंड के नाम से जाना जाता था। इसका उद्देश्य अच्छी तरह संचालित और टिकाऊ कारोबार वाली ऐसी कंपनियों में निवेश करना है, जिनके शेयर उचित मूल्यांकन पर उपलब्ध हों। इसमें 10 साल तक हर महीने 10 हजार रुपये की एसआईपी करने पर 12 लाख रुपये का कुल निवेश बढ़कर करीब 31.1 लाख रुपये हो गया। इसका एक्सआईआरआर 18.1 प्रतिशत रहा। फंड के प्रमुख निवेशों में एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, [illegible] कम्युनिकेशंस और इंफोसिस शामिल रहे। पोर्टफोलियो में करीब 39.4 प्रतिशत लार्ज कैप, 35.2 प्रतिशत मिड कैप और 18.6 प्रतिशत स्मॉल कैप कंपनियों में निवेश था।

सिर्फ रिटर्न देखकर निवेश न करें

इन फंडों के 10 साल के आंकड़े आकर्षक जरूर हैं, लेकिन केवल पिछले प्रदर्शन के आधार पर निवेश का फैसला करना उचित नहीं है। लार्ज एंड मिड कैप फंड में मिड कैप कंपनियों का पर्याप्त हिस्सा होता है। इसलिए शेयर बाजार में बड़ी गिरावट आने पर इन फंडों में भी तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। निवेशकों को फंड का प्रदर्शन अलग-अलग बाजार परिस्थितियों में देखना चाहिए। यह देखना जरूरी है कि फंड ने अपने बेंचमार्क और समान श्रेणी के दूसरे फंडों की तुलना में कितनी निरंतरता दिखाई है। इसके अलावा फंड की निवेश रणनीति, पोर्टफोलियो की गुणवत्ता, जोखिम और खर्च जैसे पहलुओं को भी समझना चाहिए।

निवेश के ये फॉर्मूले, अपनाएं कभी नहीं रहेगा पैसे का संकट

जानकारी

बिजनेस डेस्क

पैसे को दोगुना से चार गुना तक आसानी से कर सकेंगे

●

इमरजेंसी फंड व इक्विटी डेट का संतुलन बनाएंगे

रूल ऑफ 72, 114 और 144 कंपाउंडिंग को समझने के आसान तरीके हैं, जबकि 50-30-20, 100 माइनस एज और 10 फीसदी निवेश जैसे नियम व्यक्तिगत वित्त को व्यवस्थित करने में मदद कर सकते हैं। लेकिन किसी भी नियम को अंतिम निवेश सलाह नहीं माना जाना चाहिए। सही रणनीति बनाने के लिए निवेशक को अपनी आय, उम्र, जोखिम क्षमता, वित्तीय लक्ष्य, कर्ज और निवेश की अवधि को ध्यान में रखना चाहिए। सबसे जरूरी बात यह है कि पहले इमरजेंसी फंड और पर्याप्त बीमा जैसी वित्तीय सुरक्षा तैयार करें, फिर लक्ष्य के मुताबिक नियमित और अनुशासित निवेश करें। निवेश में जल्द अमीर बनने के बजाय लंबे समय तक टिके रहना ज्यादा महत्वपूर्ण है।

निवेश की दुनिया में विकल्पों की कोई कमी नहीं है। बैंक एफडी, बॉन्ड, म्यूचुअल फंड, इक्विटी, डेट और सोने जैसे कई माध्यमों में पैसा लगाया जा सकता है। लेकिन निवेश में सफलता केवल इस बात पर निर्भर नहीं करती कि पैसा कहां लगाया गया है, बल्कि यह भी महत्वपूर्ण है कि कितनी राशि निवेश की जा रही है, कितने समय के लिए निवेश किया जा रहा है और जोखिम को किस तरह नियंत्रित किया जा रहा है। इसी उद्देश्य से वित्तीय योजना में कुछ आसान नियमों का इस्तेमाल किया जाता है। इन नियमों की मदद से निवेशक मोटे तौर पर यह समझ सकता है कि उसका पैसा कितने समय में दोगुना या चार गुना हो सकता है, आय का कितना हिस्सा खर्च और बचत में जाना चाहिए तथा इमरजेंसी के लिए कितनी रकम अलग रखनी जरूरी है। हालांकि ये नियम अनुमान देने वाले सामान्य वित्तीय फॉर्मूले हैं, इन्हें निश्चित रिटर्न की गारंटी नहीं माना जाना चाहिए।

1. रूल ऑफ 72

रूल ऑफ 72 का इस्तेमाल यह अनुमान लगाने के लिए किया जाता है कि किसी निवेश को दोगुना होने में लगभग कितना समय लग सकता है। इसके लिए 72 को अनुमानित सालाना रिटर्न से भाग दिया जाता है।

फॉर्मूला: 72 ÷ अनुमानित रिटर्न = पैसा दोगुना होने का अनुमानित समय

उदाहरण के लिए, अगर किसी निवेश से सालाना 12 फीसदी रिटर्न मिलने की उम्मीद है तो 72÷12 = 6। यानी अनुमान के तौर पर पैसा करीब छह साल में दोगुना हो सकता है। इसी तरह चार साल में पैसा दोगुना करने के लिए करीब 18 फीसदी सालाना रिटर्न की जरूरत होगी। बाजार आधारित निवेश में वास्तविक रिटर्न अलग हो सकता है।

2. रूल ऑफ 114

अगर आप यह जानना चाहते हैं कि आपका निवेश लगभग कितने समय में तीन गुना हो सकता है तो रूल ऑफ 114 इस्तेमाल किया जाता है।

फॉर्मूला: 114 ÷ अनुमानित सालाना रिटर्न

12 फीसदी अनुमानित सालाना रिटर्न के मामले में 114÷12 = 9.5 साल। यानी इस फॉर्मूले के अनुसार निवेश को तीन गुना होने में करीब साढ़े नौ साल लग सकते हैं।

3. रूल ऑफ 144

रूल ऑफ 144 से यह अनुमान लगाया जाता है कि निवेश कितने समय में चार गुना हो सकता है।

फॉर्मूला: 144 ÷ अनुमानित सालाना रिटर्न

अगर अनुमानित रिटर्न 12 फीसदी सालाना है तो 144÷12 = 12 साल। यानी इस गणना के अनुसार पैसा करीब 12 साल में चार गुना हो सकता है। कंपाउंडिंग का असर लंबी अवधि में निवेश की वृद्धि को काफी प्रभावित करता है।

4. 50-30-20 रूल

मासिक बजट को व्यवस्थित रखने के लिए 50-30-20 नियम काफी लोकप्रिय है। इसके अनुसार आय का करीब 50 फीसदी हिस्सा जरूरी खर्चों, 30 फीसदी गैर-जरूरी जरूरतों या इच्छाओं और 20 फीसदी बचत एवं निवेश के लिए रखा जा सकता है।

हालांकि हर व्यक्ति की आय, पारिवारिक जिम्मेदारियां और खर्च अलग होते हैं। इसलिए इसे एक शुरुआती बजटिंग फ्रेमवर्क की तरह इस्तेमाल करना बेहतर है। जिन लोगों पर कर्ज का बोझ अधिक है, वे निवेश से पहले महंगे कर्ज को कम करने पर भी ध्यान दे सकते हैं।

5. 100 माइनस एज रूल

निवेश पोर्टफोलियो में इक्विटी और डेट का अनुपात तय करने के लिए 100 माइनस एज नियम का इस्तेमाल किया जाता रहा है। इसमें निवेशक की उम्र को 100 से घटाया जाता है। बची हुई संख्या को इक्विटी में निवेश का संभावित प्रतिशत माना जाता है। मसलन, 30 साल के निवेशक के लिए 100-30 यानी 70 फीसदी इक्विटी और 30 फीसदी डेट का अनुपात माना जा सकता है। उम्र बढ़ने के साथ इक्विटी का हिस्सा कम करने का विचार जोखिम को नियंत्रित करने से जुड़ा है।

6. न्यू, 10% निवेश नियम

इस नियम के अनुसार आय का कम से कम 10 फीसदी हिस्सा लंबी अवधि के लक्ष्यों के लिए निवेश किया जा सकता है। सबसे महत्वपूर्ण बात नियमित निवेश है। आय बढ़ने के साथ निवेश की रकम भी बढ़ाते रहना चाहिए। मसलन, अगर किसी व्यक्ति की मासिक आय 50 हजार रुपये है तो शुरुआत में कम से कम 5 हजार रुपये लंबी अवधि के निवेश के लिए अलग रखे जा सकते हैं। भविष्य में वेतन बढ़ने पर निवेश राशि बढ़ाने से कंपाउंडिंग का लाभ और मजबूत हो सकता है।

7. इमरजेंसी फंड रूल

सारी बचत को निवेश कर देना समझदारी नहीं है। अचानक नौकरी जाने, बीमारी, घर की मरम्मत या किसी अन्य आपात स्थिति में तुरंत उपलब्ध पैसे की जरूरत पड़ सकती है। इसलिए कम से कम छह महीने के जरूरी खर्चों के बराबर इमरजेंसी फंड बनाने की सलाह दी जाती है। अगर किसी परिवार का जरूरी मासिक खर्च 40 हजार रुपये है तो छह महीने के हिसाब से करीब 2.4 लाख रुपये का आपातकालीन फंड लक्ष्य बनाया जा सकता है। इस रकम को ऐसे माध्यम में रखना बेहतर होता है जहां जरूरत पड़ने पर पैसा आसानी से उपलब्ध हो।

पैसा सुरक्षित दिखने के बावजूद कम रिटर्न देने वाला निवेश कर सकता है नुकसान

पोर्टफोलियो में पड़ा 'डेड मनी' कहीं आपकी कमाई तो नहीं रोक रहा?

पहचानें और समय रहते लें फैसला इससे परेशानी से बचा जा सकेगा

अलर्ट

बिजनेस डेस्क

निवेश करते समय ज्यादातर लोग इस बात पर ध्यान देते हैं कि उनका पैसा डूब तो नहीं रहा। लेकिन केवल मूल रकम सुरक्षित रहना ही अच्छे निवेश की निशानी नहीं है। अगर आपका पैसा लंबे समय तक ऐसे निवेश में फंसा हुआ है, जो मामूली या लगभग शून्य रिटर्न दे रहा है, तो वह देखने में सुरक्षित होने के बावजूद आपकी संपत्ति बढ़ाने की क्षमता को कमजोर कर सकता है। निवेश की दुनिया में ऐसे निवेश को आमतौर पर 'डेड मनी' कहा जाता है। 'डेड मनी' का मतलब किसी ऐसे निवेश से है, जिसमें पैसा लगा हुआ है, लेकिन लंबे समय से उस पर अपेक्षित वृद्धि नहीं हो रही। जरूरी नहीं कि ऐसे निवेश में निगेटिव रिटर्न ही मिल रहा हो। कई बार निवेश का मूल्य थोड़ा बढ़ता है, लेकिन महंगाई और दूसरे समान निवेशों के मुकाबले उसका प्रदर्शन इतना कमजोर होता है कि पैसा प्रभावी रूप से निष्क्रिय पड़ा रहता है।

कैसे पहचानें डेड मनी?

हर कमजोर प्रदर्शन करने वाले फंड को तुरंत बेच देना सही रणनीति नहीं है। बाजार में अलग-अलग समय पर अलग-अलग कैटेगरी का प्रदर्शन बदलता रहता है। इसलिए किसी निवेश को डेड मनी मानने से पहले कुछ महत्वपूर्ण संकेतों को देखना चाहिए। पहला संकेत है लंबी अवधि तक कमजोर प्रदर्शन। अगर कोई फंड लगातार कई तिमाहियों तक कमजोर बना हुआ है और उसके प्रदर्शन में सुधार के संकेत नहीं मिल रहे हैं, तो इसकी समीक्षा जरूरी है। केवल एक-दो खराब तिमाही के आधार पर फैसला नहीं लेना चाहिए। दूसरा संकेत है समान कैटेगरी के फंडों से लगातार पिछड़ना। अगर आपके फंड की कैटेगरी के दूसरे फंड लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं और आपका फंड लंबे समय तक पीछे बना हुआ है, तो यह चिंता का कारण हो सकता है। तीसरा संकेत है निवेश रणनीति में बदलाव। अगर फंड की रणनीति, फंड मैनेजर, पोर्टफोलियो या जोखिम प्रोफाइल में बड़ा बदलाव हुआ है तो यह देखना जरूरी है कि मौजूदा निवेश अभी भी आपके लक्ष्य के अनुकूल है या नहीं।

4 से 8 क्वार्टर का संकेत क्यों महत्वपूर्ण

एक्सपर्ट के मुताबिक करीब 4 से 8 क्वार्टर, यानी लगभग एक से दो साल तक लगातार कमजोर प्रदर्शन करने वाले निवेश की गंभीर समीक्षा की जानी चाहिए। खासकर तब, जब इसी अवधि में समान कैटेगरी के दूसरे फंड लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हों। हालांकि इसका अर्थ यह नहीं है कि आठ क्वार्टर पूरे होते ही फंड बेच देना चाहिए। निवेशक को फंड के बेंचमार्क, कैटेगरी के औसत प्रदर्शन, जोखिम, पोर्टफोलियो में बदलाव और अपने निवेश लक्ष्य को भी देखना चाहिए।

सिर्फ रिटर्न देखकर न बेचें निवेश

कम रिटर्न दिखते ही निवेश से बाहर निकलना भी नुकसानदायक हो सकता है। किसी इक्विटी फंड का प्रदर्शन बाजार के चक्र के कारण कुछ समय कमजोर रह सकता है। इसलिए फैसला लेते समय यह समझना जरूरी है कि कमजोरी अस्थायी है या फंड की रणनीति और प्रदर्शन में वास्तविक समस्या है। साथ ही, निवेश बेचने पर टैक्स और एग्जिट लोड जैसे पहलुओं को भी ध्यान में रखना चाहिए। नए निवेश विकल्प का चयन भी केवल पिछले रिटर्न के आधार पर नहीं होना चाहिए।

पोर्टफोलियो की समय समय पर करें समीक्षा

'डेड मनी' से बचने का सबसे अच्छा तरीका है कि पोर्टफोलियो को लंबे समय तक बिना देखे न छोड़ें। साल में कम से कम एक या दो बार निवेश की समीक्षा की जा सकती है। इसमें यह देखना चाहिए कि कौन सा निवेश लक्ष्य के मुताबिक प्रदर्शन कर रहा है, कौन लगातार पिछड़ रहा है और क्या पोर्टफोलियो में जोखिम का संतुलन बना हुआ है। निवेश का उद्देश्य सिर्फ पैसा सुरक्षित रखना नहीं, बल्कि उसे अपने वित्तीय लक्ष्यों के मुताबिक बढ़ाना भी है। इसलिए, किसी निवेश में पैसा सिर्फ इस वजह से नहीं पड़ा रहना चाहिए कि उसमें नुकसान दिखाई नहीं दे रहा। अगर पैसा लगातार अपेक्षा से कम बढ़ रहा है, तो उसकी अवसर लागत भी वास्तविक नुकसान है। इसलिए पोर्टफोलियो में मौजूद हर निवेश से समय-समय पर यह सवाल पूछना जरूरी है। क्या यह पैसा मेरे लिए काम कर रहा है या सिर्फ पड़ा हुआ है? यही सवाल आपको 'डेड मनी' पहचानने और बेहतर वित्तीय फैसले लेने में मदद कर सकता है।

मूल पैसा सुरक्षित फिर भी नुकसान

मान लीजिए आपके पास एक लाख रुपये हैं और आपने उन्हें ऐसे फंड में लगा रखा है, जो लंबे समय तक बहुत कम रिटर्न दे रहा है। एक-दो साल बाद भी अगर आपकी रकम लगभग उतनी ही है, तो पहली नजर में लग सकता है कि आपको कोई नुकसान नहीं हुआ। लेकिन इसी अवधि में बाजार के दूसरे समान फंडों ने बेहतर प्रदर्शन किया हो तो आपका पैसा वहां ज्यादा बढ़ सकता था। यही 'अपॉर्चुनिटी कॉस्ट' कहलाती है। यानी जिस निवेश में आपका पैसा अटका रहा, उसकी वजह से आप बेहतर रिटर्न वाले दूसरे अवसर का फायदा नहीं उठा पाए। इसलिए निवेश में केवल यह देखना पर्याप्त नहीं है कि पैसा घटा या बढ़ा, बल्कि यह भी देखना जरूरी है कि वह आपके लक्ष्य के मुताबिक पर्याप्त गति से बढ़ रहा है या नहीं।

जनपद में 18 परीक्षा केंद्रों पर सकुशल आयोजित हुई उ0प्र0 अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की लिखित परीक्षा

- उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा आयोग लिखित परीक्षा में 7224 अभ्यर्थियों को होना था शामिल, 5557 रहे उपस्थित,1667 ने छोड़ी परीक्षा
- अपर जिलाधिकारी प्रशासन अब एसपी सिटी ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण, देखी व्यवस्थाएं
- नकलविहीन सुचिता और शान्तिपूर्ण तरीके से परीक्षा को सम्पन्न कराया जाने पर अपर जिलाधिकारी ने दी बधाई
- जनपद के समस्त परीक्षा केन्द्रों पर सीसीटीवी कैमरों के मध्य हुई परीक्षा,
- परीक्षा के दौरान सभी सेक्टर/स्टेटिक मजिस्ट्रेट परीक्षा केंद्रों पर रहे मौजूद
- जनपद में द0प्र0स0 की धारा-163 का अधिकारीयों/मजिस्ट्रेट ने सख्ती से कराया अनुपालन

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। अपर जिलाधिकारी प्रशासन शिव प्रताप शुक्ल एवम् एसपी सिटी श्रीमती प्रीति सिंह ने संयुक्त रूप से जनपद में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा-2026 का विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया, परीक्षा नगर के 18 परीक्षा केंद्रों पर पूर्वाहन 10:00 से 12:00 तक निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से आयोजित हुई।

अपर जिलाधिकारी प्रशासन ने जनपद में परीक्षा के दौरान जीआईसी इंटर कॉलेज एवं बालिका महाविद्यालय के परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया ताकि परीक्षा शांति पूर्वक एवं किसी भी दशा में परीक्षा दूषित ना हो इसे सुनिश्चित कराया जा सके। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा आयोग की परीक्षा में डुप्लीकेट परीक्षार्थी किसी भी दशा में शामिल नहीं हो, इसे सुनिश्चित करने के लिए उन्होंने स्वयं एडमिशन कार्ड की गंभीरता से जांच की, इसके अतिरिक्त उन्होंने परीक्षा कक्ष में परीक्षा दे रहे छात्र-छात्राओं से भी संवाद स्थापित किया। परीक्षा केंद्र पर बनाए गए कंट्रोल रूम का भी निरीक्षण करते हुए उन्होंने कक्ष में लगे सीसीटीवी कैमरे की लोकेशन को देखा। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की परीक्षा के दौरान परीक्षा केंद्र के आस-पास धरना प्रदर्शन, जुलूस, जनसभा का आयोजन नहीं किया गया, इसके साथ ही साथ फोटो स्टेट मशीन विशेष रूप से बंद रखी गई। परीक्षा के मद्देनजर जनपद झांसी में द0प्र0स0 की धारा-163 प्रभावी रही, सभी अधिकारी एवं मजिस्ट्रेट ने धारा-163 द0प्र0स0 का अनुपालन सुनिश्चित कराया। आयोजित परीक्षा के दौरान सभी 18 स्टैटिक मजिस्ट्रेट और 18 सेक्टर मजिस्ट्रेट लगातार परीक्षा केंद्रों पर मुस्तैद रहते हुए परीक्षा को पूर्ण शांति और शुचिता के साथ संपन्न कराया। जनपद में आयोजित उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा की जानकारी देते हुए अपर जिलाधिकारी प्रशासन श्री शिव प्रताप शुक्ल ने बताया कि परीक्षा नगर में 18 परीक्षा केन्द्रों पर एक पाली में संपन्न हुई। पूर्वाहन 10:00 से 12:00 तक सम्पन्न हुई परीक्षा में कुल 7224 परीक्षार्थियों को लिखित परीक्षा में सम्मिलित होना था। उन्होंने बताया कि 5557 अभ्यार्थियों ने परीक्षा दी तथा 1667 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। उन्होंने इस दौरान जीआईसी इंटर कॉलेज, बालिका महाविद्यालय सहित कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया, नगर के सभी 18 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा सकुशल संपन्न है। इस अवसर पर एसपी सिटी श्रीमती प्रीति सिंह सहित केंद्र व्यवस्थापक एवं प्रधानाचार्य उपस्थित रहे।

बेसिक शिक्षा में रसोइयों को भी मिली कैशलेश चिकित्सा सुविधा

-समारोह में जनप्रतिनिधियों ने रसोईयों को वितरित किये केशलेश चिकित्सा कार्ड

(यंग भारत न्यूज)

तालबेहट। स्थानीय बी आर सी पर आयोजित समारोह में बेसिक शिक्षा विभाग में कार्यरत रसोईयों को भी कैशलेश चिकित्सा की सौगात उ प्र सरकार की तरफ से आज से लागू कर दी गई है आज लखनऊ में प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी ने अपने कर कमलों से रसोइयों को प्रतीकात्मक कार्ड वितरित करते हुए उन्हें एक साथ कई सौगाते रक्षाबंधन के पावन पर्व के अवसर पर प्रदान की हैं जैसे- इन्हें 5 लाख तक इलाज की सुविधा के साथ इनके मानदेय को 2000 से बढ़ाकर 3000 रुपए कर दिया गया है इनकी ड्रेस के लिए 500 के स्थान पर 1000 रुपए देने की घोषणा की है। इस कार्यक्रम का सजीव प्रसारण पूरे प्रदेश में किया गया जिसके अंतर्गत तालबेहट में खण्ड शिक्षा अधिकारी श्री समर सिंह की अध्यक्षता में नगर पंचायत अध्यक्ष श्री पुनीत सिंह परिहार के मुख्य आतिथ्य एबम श्री अभिजीत सिंह उप जिलाधिकारी के विशिष्ट आतिथ्य में समारोह आयोजित किया गया जहां पर सभी ने सजीव प्रसारण देखा एवं लाभार्थी रसोइयों को प्रतीकात्मक कार्ड वितरित किये इसके पूर्व शुरआत में सभी अतिथियों ने माँ सरस्वती के विग्रह पर पुष्पांजली कर व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की कस्तूरबा विद्यालय की छात्राओं ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की अतिथियों के स्वागत के बाद अपने सम्बोधन में समारोह में बोलते हुए नगर पंचायत अध्यक्ष श्री पुनीत सिंह परिहार ने भी सरकार के इस कदम को क्रांतिकारी कदम बताया आगे उपजिलाधिकारी महोदय ने बोलते हुए कहा कि माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने रसोइयों के त्याग और समर्पण को देखते हुए स्वास्थ्य संबंधी समस्या को दूर करने का कार्य किया आज इससे वे बेफिक्र होकर अपना और अपने परिवार का इलाज करा सकता है। उन्होंने कहा कि ऐसा भोजन बनाएं कि अधिकारी जब निरीक्षण करने जाए तो उसका भी मन भोजन करने का हो खण्ड शिक्षा अधिकारी समर सिंह ने भी सरकार के इस कदम की सराहना करते हुए कहा यह मील का पत्थर साबित होगा। कार्यक्रम में ए आर पी श्री संतोष निरंजन आजाद सिंह अमित खरे ने सभी अतिथियों को बैज अलंकृत कर स्वागत किया। कार्यक्रम में शिक्षक नेता श्री विजय मिश्रा देशभक्त मनोहर बुंदेला ने भी अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया।कार्यक्रम में विजय मिश्रा जनार्दन पाल अमरेश राय ज्ञानेन्द्र पाठक शैलेश जैन संतोष गुप्ता अमित चतुर्वेदी बांके बिहारी मिश्रा दीपक कुमार देवेंद्र वर्मा बादाम सिंह धर्मेंद्र नामदेव ममता नामदेव आदि सहित सैकड़ों रसोइया शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन ए आर पी अमित खरे ने किया एवं खंड शिक्षा अधिकारी तालबेहट श्री समर सिंह जी ने उपस्थित सभी समूह का आभार व्यक्त किया।

सीपीआई की राष्ट्रीय बदलाव जरूरी रैली 1 सितंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में-का. अरविंद राज स्वरूप

(यंग भारत न्यूज)

उरई। जिला कार्यालय कोंच रोड स्थित मजदूर भवन में प्रेस कांफ्रेंस संपन्न हुई। प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव एवं पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य कामरेड अरविंद राज स्वरूप ने संबोधित किया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं जिला सचिव कामरेड सुधीर अवस्थी, गिरेंद्र सिंह एवं अन्य सीनियर नेता भी उपस्थित रहे। कामरेड स्वरूप ने प्रेस को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के द्वारा 1 सितबर 2026 को दिल्ली के रामलीला मैदान में विशाल रैली आयोजित की जा रही है। रैली का पॉलिटिकल नारा है 'बदलाव जरूरी है'। उन्होंने बताया कि विगत 6 अगस्त से 15 अगस्त स्वाधीनता दिवस तक पार्टी के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले में पदयात्रा की। लोगों से मुलाकात की। नुक्कड़ मीटिंग, आम सभाएं आयोजित हुई तथा लाखों की संख्या में पार्टी के नारे से जुड़ी हुई जनता की मांगों को लेकर पर्चों का वितरण हुआ।

उन्होंने बताया कि देश के स्वाधीनता संग्राम ने देश को अंग्रेजों से आजाद करने के साथ देश को एक ऐसा संविधान दिया जिसने देश में लोकतंत्र को स्थापित किया। जनता के अधिकार अपने संविधान में सुरक्षित कर दिए। देश के संविधान में ऐसी व्यवस्था निर्मित की जिसमें न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका के अधिकार और कर्तव्य अलग-अलग निरूपित किए गए। देश चलाने के लिए एक विधि सम्मत व्यवस्था निर्मित की गई। कानून का राज्य स्थापित किया गया। परंतु जब से भारतीय जनता पार्टी का राज कायम हुआ है। सब काम इन आदर्शों के विपरीत हो रहा है। भारतीय जनता पार्टी के पूर्वजों ने अंग्रेजों के विरुद्ध, फिरंगियों के विरुद्ध संघर्ष में भागीदारी नहीं की थी। इसके विपरीत फिरंगियों के विरुद्ध संघर्ष को उनके द्वारा कमजोर करने की कोशिश की गई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आजादी के आंदोलन से बहुत दूर था और उसने आजादी के आंदोलन में भागीदारी नहीं की। जबसे भारतीय जनता पार्टी की सरकार आई है उसने संविधान सम्मत व्यवस्था को छिन्ना भिन्न कर दिया है। आज लोकतंत्र खतरे में है। कार्यपालिका लोकतंत्र को बर्बाद करने पर उतारू है न्यायपालिका, संविधान द्वारा नागरिकों को प्रदत्त अधिकारों की रक्षा करने में असमर्थ दिखाई देती है। एक सवाल के जवाब में प्रदेश सचिव श्री स्वरूप ने कहा की उत्तर प्रदेश में विरोधी दलों और खासतौर से की के नेताओं के आधार कार्ड और अन्य जरूरी कागजात पुलिस मांग रही है उन्होंने क्या भाजपा की उत्तर प्रदेश की सरकार क्या उत्तर प्रदेश में पुलिस राज्य स्थापित करना चाहती है। एक सवाल के जवाब में प्रदेश सचिव श्री स्वरूप ने कहा इस रैली में की के राष्ट्रीय नेताओं में की के राष्ट्रीय जनरल सेक्रेटरी दी राजा, अमरजीत कौर ने ई राजा नं गिरीश चंद शर्मा रामचंद्र पांडा रामकृष्ण संतोष कुमार आदि राष्ट्रीय नेता आ रहे हैंअन्य राजाइस दौरान देवेश चौरसिया, विजय सिंह राठौर, संजय पाठक, विनय पाठक, मंजुमन राजपूत आदि मौजूद रहे।

खुला पत्र- सत्ता और विपक्ष दोनों के नाम

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा (पंजी.)

मुख्यालय: मुंबई 7 दिनांक: 22 अगस्त 2026

विषय: अवसरवादी राजनीति बंद करो, जनता को मुद्दों से मत भटकाओ

कुंवर हरिवंश सिंह पूर्व सांसद

प्रिय देशवासियों,

राष्ट्रप्रेमी सनातन योद्धा

आज देश का सबसे बड़ा दुर्भाग्य यह है कि सत्ता रूढ़ दल अहंकार में है और विपक्ष अवसर की तलाश में सत्ता सिंघासन चाहता है। दोनों को जनता की नहीं, सिर्फ कुर्सी की चिंता है।

सत्ता पक्ष से सीधा सवाल:

आपने कहा था - सबका साथ, सबका विकास।

तो फिर 45% सवर्ण समाज के बच्चों पर लाठी क्यों

कभी स्ष्ट-स्ज्ञ-ष्ह्ल के नाम पर फर्जी मुकदमे, कभी वक्फ बोर्ड ट्रिब्यूनल जैसे एकतरफा कानून, सिस्टम बनाकर लोगो को परेशान करना और अब त्ष्ट के नाम पर बच्चों में भेदभाव बिखराव जातीय उन्माद बढ़ाना क्या जनता ने इसलिए आपको वोट दिया था

1947 में हमने रियासतें देकर अखंड भारत निर्माण हेतु अनुबंध किए जनता के सामने लाए आज आप 2026 में उसी समाज को बांट रहे सत्ता सिंघासन से हटाकर अनुबंध तोड़ रहे हैं

आज पक्ष विपक्ष से जनता का सीधा सवाल

महंगाई चरम पर है, खाद-बीज बहुतमहंगा है मिल नहि रहा किसान बेहाल, ईडब्ल्यूएस का सरलीकरण नहीं हो रहा गुजरात राजस्थान, में जो नियम लागू उतर प्रदेश अन्य प्रदेशों में क्यों नहि युवा बेरोजगार है, किसान नौजवान आत्महत्या करने पर विवश क्यो है - पर आपके एजेंडे

में ये नहीं है। आपके एजेंडे में सिर्फ वोट बैंक कुर्सी पाने के फार्मूले है।

विपक्ष से भी सवाल:

आप भी फेविकोल का रायता पीकर चुप हैं क्योंकि हम सब अगड़े समाज से हैं जातिवाद

वोट बैंक के फार्मूले बनाने से मुद्दों से भटकाकर ये पब्लिक है सब जानती है जब आप सत्ता में थे तब आपने भी वही किया। आज जब सवर्ण समाज के बच्चों पर लाठी बरसी तो आप जेन जी के समर्थन तो छोड़िए यूजीसी कानून रोल बैक पर ट्वीट तक नहीं कर सके।

अवसरवादी राजनीति चोला बदलकर बस सिंहासन चाहिए। महंगाई, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी जनहित मुद्दों पर आप सड़क पर क्यों नहीं दिखाई दिए क्योंकि आपको भी सवर्ण समाज का वोट चाहिए उसका समर्थन करने का साहस नहीं किसान नौजवान सब जानते हैं कि आप वोट बैंक जुगाड़ तंत्र में लगे हैं यही अवसरवादी राजनीति है। जनता को मुद्दों से भटकाया जा रहा है। कभी हिंदू-मुस्लिम, कभी जाति-जाति, कभी त्ष्ट जैसा नया शिगूफा। ताकि जनता असली सवाल न पूछे - राशन में चीनी-तेल क्यों महंगा है स्टॉक क्यों कम है सरकारी स्कूल में टीचर क्यों नहीं ईडब्ल्यूएस को 10% आरक्षण मिला तो उसका सरलीकरण क्यों नहीं फर्जी मुकदमा लिखने वाले अफसर पर सजा क्यों नहीं हम महाराणा प्रताप, शिवाजी, पृथ्वीराज, छत्रसाल, वीर कुंवर सिंह, लक्ष्मी बाई, मंगल पांडे, बोस और आजाद के वंशज हैं। हम प्रभु श्री राम और श्री कृष्ण के वंशज हैं। हम लाठियों से नहीं डरते। हम आरक्षण कतई विरोधी नहीं हैं। किसी जातीय मजहब धर्म के विरोध में नहि हम कहते हैं - गरीबी की कोई जात नहीं होती। हर जाति के गरीब को आरक्षण दो, शहीद परिवार को, प्रतिभा को सम्मान दो। शहीदों की जातिगत जनगणना कर लीजिए सारा देश जाने किसने सीमा की रक्षा की देश के लिए कुर्बानी अपनी जान दी लेकिन अमेरिका-सिंगापुर की तरह कानून बनाओ - जो फर्जी केस लिखे, उस पर दोगुना जुर्माना और जेल हो। सरकार कान खोलकर सुन ले सवर्ण समाज का - ये तो ट्रेलर है, फिल्म अभी बाकी है। जेन जी सड़को पर न्याय मांगती है देश उनके समर्थन में ये पब्लिक है, सब जानती है। बहुत जल्द हम देश के तमाम जिम्मेदार, राष्ट्रवादी लोगों के साथ सवर्ण स्वाभिमान और सनातन योद्धा हिंदुत्व प्रेमी समाज के साथ रण रणनीति तय करेगे 20 सितंबर को सनातन शक्ति सम्मेलन आगरा में आयोजित जिसमें सारे संगठन प्रमुख उपस्थित रहे मैने सोलहवीं लोकसभा में देश में सर्वाधिक प्रश्न उठाए देश में सर्वश्रेष्ठ सांसद पांचवें स्थान रिकॉर्ड बनाकर आपकी आवाज उठाने की कीमत मैने चुकाई है प्रतापगढ़ उप्र में पांच साल को रिपोर्ट कार्ड डिटेल जन जन को दिए जो योजनाएं साकार किया जो 75 साल में कभी पूरा नहीं हुआ था मीडिया सर्वे करवा सकता है लेकिन मेरे लिए समाज सर्वोपरि है हमेशा रहेगा जब तक एक बूंद रक्त शरीर में है तब तक संघर्ष मिशन रुकेगा नहि...

75 साल की उम्र में वक्त कम है, इम्तिहान बहुत है।

साजिशों में वो दम नहीं जो हमारी कोशिश को रोक दे।

आप सब लोग मेरा पत्र विचार जन मानस को शेयर करिए

आपका अपना,

कुंवर हरिवंश सिंह

पूर्व सांसद राष्ट्रीय अध्यक्ष

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा वाशी सानपाडा नवी मुंबई मुख्यालय

जारी कर्ता

टी पी सिंह राष्ट्रीय प्रचार मंत्री

9323012209

कुर्मी महासभा ने हरियाली तीज महोत्सव धूमधाम से मनाया

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा, झांसी के तत्वावधान में रविवार को होटल चंदा, हरियाली तीज महोत्सव-2026 धूमधाम एवं उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में समाज की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की। पारंपरिक वेशभूषा, श्रृंगार एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के बीच महिलाओं ने तीज पर्व की खुशियां साझा कीं।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती पद्मा-टीकाराम पटेल, ब्लॉक प्रमुख गुरसरांय रहीं। अध्यक्षता श्रीमती मीरा-अरविन्द निरंजन, प्रदेश महामंत्री महिला मोर्चा, अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती कमलेश-राजकान्तेश वर्मा, ब्लॉक प्रमुख चिरगांव एवं श्रीमती अभिलाषा-अवधेश निरंजन, बुंदेलखंड अध्यक्ष, अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की संयोजक श्रीमती उषा सचान, जिलाध्यक्ष महिला मोर्चा, श्रीमती किरण निरंजन, जिला महामंत्री महिला मोर्चा, श्रीमती रीता निरंजन, महानगर अध्यक्ष महिला मोर्चा तथा श्रीमती अनुपम निरंजन, महानगर महामंत्री महिला मोर्चा रहीं।

महोत्सव के दौरान महिलाओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में सौम्या निरंजन प्रथम, रंजना द्वितीय तथा पल्लवी पटेल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। आयोजन में महिलाओं की सामाजिक एकजुटता, भारतीय संस्कृति और पारंपरिक रीति-रिवाजों की सुंदर झलक देखने को मिली। महिलाओं ने एक-दूसरे को तीज पर्व की शुभकामनाएं दीं और आयोजन को यादगार बनाया। महोत्सव में रीता निरंजन, ऊषा सचान, पल्लवी पटेल, अरुणा/अनुपम, मीनाक्षी पटेल, सुशीला निरंजन, रेखा सिंह निरंजन, मनु निरंजन, अंजू निरंजन, अभिलाषा निरंजन, उमा पटेल, राजेश्वरी पटेल, संगीता निरंजन, सागरिका पटेल, संध्या डॉ. विजय, प्रवीण निरंजन, दीक्षा पटेल, हर्षिता निरंजन, शैलजा सचान, पूजा पटेल, विद्योत्मा सचान, संध्या सचान, रूबी सचिन कटियार, काजल पटेल, सीमा पटेल, बबली प्रदीप पटेल, उमा पटेल मेडिकल, वंदना मयंक पटेल, डॉ. विद्या चौधरी, वंदना सचान, प्रार्थना सचान, मीरा सचान, हेमा सचान, अरुणा उत्तम, शिल्पा सिंह, शोभा सचान, पूजा अमित पटेल, ऊषा शिवशंकर पटेल, शिवानी निरंजन, प्रमिलेस निरंजन, सीता पटेल, रश्मी पटेल एवं अनीता सुभाष पटेल सहित बड़ी संख्या में महिलाओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम का संचालन मोहिनी निरंजन ने किया। अंत में उषा सचान एवं रीता निरंजन ने सभी अतिथियों, पदाधिकारियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

वैराग्य ही जीवन निर्माण की भूमिका है:विभाश्री माताजी

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। अतिशय क्षेत्र करगुवांजी में चल रहे 48 दिवसीय 1008 भक्तामर महा मण्डल आराधना विधान के इक्कीसवें दिन रविवार को गणिनी आर्यिका 105 विशाश्री माताजी ने वैराग्य ही जीवन निर्माण की भूमिका है।जो व्यक्ति सत्य को पहचानता है वह सत्य का सम्मान भी करता है। आचार्य मानतुंग स्वामी द्वारा रचित भक्तामर स्तोत्र की महिमा का बखान करते हुए उन्होंने कहा कि भक्तामर का एक एक काव्य मंत्र, तंत्र और यंत्र भी है। श्रद्धा, आस्था और विश्वास से ही श्रेष्ठ फल की प्राप्ति संभव है। वे कहती हैं कि जो भी व्यक्ति अनुष्ठान के साथ चिंतन मनन करते हुए भगवान आदिनाथ की आराधना करता है उसके कष्टों का मोचन अवश्य ही हो जाता है।

इससे पूर्व रविवार के पुण्यार्जक डा. विमल मोदी श्रीमती सीमा सुनील मोदी, सुषमा दिनेश, जूली अभिनंदन,बूली नीलेश साहिल, सोमिल एवं समस्त मोदी परिवार सिविल लाइन झांसी,श्रीमती स्वाति अजय धमासिया,अतिशय जैन देबू, वर्धमान होटल वाले समस्त परिवार सीपरी बाजार एवं श्रीमती शांति देवी जैन, ममता राजेश जैन, नमन शैजल, अनंत, अनु एवं समस्त परिवार दीनदयाल नगर झांसी रहे,जिन्होंने शांतिधारा का सौभाग्य प्राप्त किया।माताजी को शास्त्र भेंटकर पाद प्रक्षालन किया एवं पं दीपक जैन करैरा के मार्गदर्शन में समस्त धार्मिक क्रियायें सम्पन्न कराते हुए अर्घ समर्पित किये। कमेटी पदाधिकारियों ने पुण्यार्जक परिवारों के पुण्य की अनुमोदना करते हुए माला एवं पगड़ी पहनाकर उनका अभिनंदन किया।संचालन दिगम्बर जैन पंचायत के महामंत्री कमल जैन लोकपथ एवं करगुवां मंत्री शिरोमणि जैन ने किया।अंत में विधि सलाहकार अशोक जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया।इस मौके पर ललित जैन, डा.जिनेंद्र जैन,चौधरी जितेंद्र जैन तालबेहट, विनोद जैन ठेकेदार,राजीव जैन अहिंसा, बाहुवलि जैन, श्रीमती रानी भागचंद जैन निर्माण मंत्री,प्रीति शिरोमणि जैन, कुलदीप जैन रानू जैन, रौनक जैन, राजेंद्र जैन बिजना वाले, इंजीनियर बालचंद जैन,नरेंद्र जैन नारायण बाग आदि मौजूद रहे।

मालिक.मुद्रक, प्रकाशक, संपादक संजय श्रीवास्तव द्वारा सेलेक्ट ऑफसेट पता 17, सरकपुर सरैया, छठामील, बी०के०टी० लखनऊ उ0प्र0.226201, लखनऊ से मुद्रित एवं 20 कृष्णा नगर उरई जालौन से प्रकाशित प्रधान संपादक संजय श्रीवास्तव फोन न. +919415055318
(पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिमेदार सभी विवादों का न्याय क्षेत्र उरई जालौन न्यायालय के अधीन होगा। निदेशक अनिल शर्मा, प्रबंध संपादक इं० शिवम श्रीवास्तव RNI NO UPHIN/2011/39718